Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 219 | सोमवार, 17 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

सहज-सरल, लेकिन इरादों के 'अटल' थे पूर्व प्रधानमंत्री: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की आठवीं पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर किया पुष्पार्चन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'भारत रत्न' पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की आठवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धा निवेदित करते हुए लोकभवन स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अटल जी का छह दशक का सार्वजनिक जीवन निर्विवाद और निष्कलंक रहा। वह भारतीय राजनीति के अजातशत्रु के रूप में 'राष्ट्र सर्वोपरि' के भाव के साथ निरंतर कार्य करते रहे। सार्वजनिक जीवन की शुरूआत उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में कश्मीर में धारा-370 लगाए जाने के विरोध में सत्याग्रह से प्रारंभ की थी।

दल से ऊपर उठकर देश को दिया महत्व

सीएम योगी ने कहा कि सांसद, विदेश मंत्री, नेता प्रतिपक्ष, जनसंघ व भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रधानमंत्री की अलग-अलग भूमिकाओं में भी उनके लिए सदैव 'राष्ट्र प्रथम' रहा। वह भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, नेता सदन, प्रधानमंत्री समेत किसी भी पद पर रहे हों, लेकिन उनका जीवन का ध्येय केवल 'राष्ट्र प्रथम' था। जब-जब भी आवश्यकता पड़ी, उन्होंने दल से ऊपर देश को महत्व दिया।

राष्ट्र की सुरक्षा में अटल जी का योगदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने जब देश पर इमरजेंसी थोपी थी तो उन्होंने जनसंघ का जनता पार्टी में विलय करते हुए आपातकाल से मुक्ति के आंदोलन में बढ़ चढ़कर भाग लिया था। 1962, 1965, 1971 के युद्ध में उन्होंने सरकार को कटघरे में खड़ा करने की बजाय सरकार के साथ जिम्मेदार सांसद के रूप में खड़े होकर राष्ट्र की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करने में अपना योगदान दिया।राज्य और स्थानीय प्रशासन

राजनीतिक अस्थिरता रोकने में भूमिका

सीएम ने कहा कि भारत की राजनीति में अस्थिरता के दौर को रोकने और राजनीतिक स्थिरता के माध्यम से सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कैसे कदम उठाए जा सकते हैं, अटल जी ने राजनीतिक समन्वय के माध्यम से 1996-98 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का निर्माण करके जो उदाहरण प्रस्तुत किया, वह आज भी भारत की राजनीति में प्रासंगिक बना हुआ है। एनडीए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में सहयोगी दलों के साथ मिलकर निरंतर देश, राज्यों के अंदर विभिन्न सरकारों का संचालन करते हुए सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है।

सहज-सरल, लेकिन इरादों के 'अटल' थे पूर्व प्रधानमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी जितने ही सहज व सरल थे, उतने ही इरादों के 'अटल' भी थे। कारगिल संघर्ष के दौरान दुनिया ने अटल जी के दृढ़संकल्प का लोहा माना। उस समय अटल जी ने कहा था कि हम पर युद्ध थोपा गया है, जिसका हम मुंहतोड़ जवाब देंगे। दुनिया की हर ताकत के सामने झुके बिना अटल जी ने भारत को एटॉमिक पावर के रूप में स्थापित किया।

अटल जी ने प्रधानमंत्री के रूप में मनवाया यशस्वी शासन का लोहा

सीएम योगी ने कहा कि अटल जी को पहली बार 1957 में उत्तर प्रदेश की बलरामपुर संसदीय सीट से संसद में जाने का अवसर मिला। उन्होंने पांच बार लखनऊ संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। नेता विरोधी दल व प्रधानमंत्री के रूप में यशस्वी शासन का लोहा मनवाया।

आज पूरा देश पूर्व प्रधानमंत्री की स्मृतियों को नमन कर रहा है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद ब्रजलाल, विधायक नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य अवनीश सिंह, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि ने भी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मोर को दाना खिलाया, गाय को चारा दिया: पीएम

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर अपनी दिनचर्या एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में वह गायों को चारा और मोर को दाना खिलाते खिलाते हुए नजर आ रहे हैं। अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, हर सुबह अपने दोस्तों को खाना खिलाना मेरी रोज की दिनचर्या है। पीएम मोदी ने आगे बताया, कल सुबह उन्हें किसी तरह पता चल गया कि मैं जल्दी निकल रहा हूं। इसलिए वे मुझसे मिलने आ गए, जब मैं लाल किले के लिए निकल रहा था। प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से तिरंगा फहराया था। वीडियो में प्रधानमंत्री उसी वेशभूषा में नजर आ रहे हैं, जिसे पहनकर उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले पर तिरंगा फहराया था। प्रधानमंत्री ने इन दिनों जेन-जी से जुड़ने के लिए नया तरीका अपनाया है। हाल के दिनों में उन्होंने इंस्टाग्राम पर इसी तरह कई वीडियो साझा किए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस से पहले भी अपना नया इंस्टाग्राम वीडियो जारी किया था। वीडियो में उन्होंने देशवासियों से सात अगस्त को पूरे उत्साह और उमंग के साथ राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाने की अपील की थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि हथकरघे से बुने हुए कपड़े खरीदना केवल कपड़ा खरीदना नहीं, बल्कि देश के लाखों बुनकर और गरीब परिवारों की आजीविका को मजबूत करना है।

'जनता माफ नहीं करेगी सोनिया का पाप, शर्म बची है तो माफी मांगे कांग्रेस', वंदे मातरम विवाद पर बोले अमित शाह

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस पर वंदे मातरम के अपमान को लेकर हो रही कांग्रेस की किरकिरी के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस मुद्दे को अब जनता के बीच अपने तीखे तेवरों के साथ उठाया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में उनकी प्रतिमा का अनावरण करते हुए अमित शाह ने याद दिलाया कि स्वतंत्रता के 80 वर्ष बाद पहली बार लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम का गान हुआ, लेकिन कांग्रेस की निर्लज्जता देखिए कि कांग्रेस मुख्यालय में जब वंदे मातरम का गान हो रहा था तो सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष को गान रोकने के लिए कहा।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष को ललकारने के भाव में गृह मंत्री बोले- सोनिया जी, 140 करोड़ जनता आपको देख रही है। आपके द्वारा किया गया यह पाप जनता कभी माफ नहीं करेगी। कांग्रेस को शर्म आनी चाहिए। जरा भी शर्म बची है तो दोनों हाथ जोड़कर बंकिम बाबू और देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- स्वतंत्रता दिवस पर हर बार की तरह भव्य आयोजन हुआ, लेकिन इस बार एक परिवर्तन था। यह परिवर्तन मेरे जैसे करोड़ों लोगों के लिए बहुत बड़ा परिवर्तन था। आजादी के 80 साल बाद लाल किले की प्राचीर पर व देशभर में जहां ध्वज वंदन हुआ, वहां वंदे मातरम का गान पहली बार हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वोट बैंक के लालच में वंदे मातरम को भुला दिया था।

कांग्रेस मुख्यालय की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि 80 साल के बाद बंकिम बाबू का यह अमर गान जब फिर से सम्मान प्राप्त कर रहा है तो वो भी सोनिया गांधी को रास नहीं आता है।

वंदे मातरम के गान को बीच में रोकने के कांग्रेस नेत्री के प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि कोई स्वप्न में भी कैसे सोच सकता है कि वंदे मातरम का गान अधूरा छोड़ दिया जाए। इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का पुण्य स्मरण करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वह 1957 से 1996 तक विपक्ष में रहे, लेकिन विचार राष्ट्रभक्ति और राष्ट्र प्रथम का रहा। जेल गए, लाठियां खाईं, कांग्रेस का अत्याचार सहा, लेकिन कभी सिद्धांत नहीं छोड़े। पोखरण में परमाणु परीक्षण सहित अटल सरकार के अन्य कार्यों का उल्लेख करने के साथ ही आदिवासियों की बड़ी आबादी वाले राज्य राजस्थान में इस वर्ग को भी गृह मंत्री ने संदेश दिया। कहा कि इस देश के आदिवासियों-जनजातियों के लिए कोई अलग मंत्रालय नहीं था। अटल जी ने पहली बार जनजातीय कल्याण मंत्रालय बनाने की शुरूआत की। आज इसका परिणाम है कि गरीब से गरीब घर की आदिवासी बेटी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के रूप में राष्ट्रपति भवन को शोभायमान कर रही हैं। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा आदिवासी कल्याण को आगे बढ़ाया। जो शुरूआत अटल जी ने की थी, पीएम मोदी ने उसे अंजाम तक पहुंचाया।

मुंबई में फर्जी डॉक्टरों पर क्राइम ब्रांच ने कसा शिकंजा

गोवंडी और बांद्रा में बिना लाइसेंस चला रहे थे क्लीनिक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

मुंबई। मुंबई से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां लोगों की जान के साथ खिलवाड़ करने वाले फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ा एक्शन लिया है। पुलिस ने गोवंडी, देवनार और बांद्रा इलाकों में छापेमारी कर कुल 5 ऐसे डॉक्टरों पर कार्रवाई की है, जो बिना वैध लाइसेंस और मेडिकल डिग्री के मरीजों का इलाज कर रहे थे। खास बात यह है कि इनमें से एक आरोपी तो सिर्फ सातवीं पास निकला।

बता दें कि मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच यूनिट 6 और 8 ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (इटउ) के चिकित्सा अधिकारियों के साथ मिलकर यह संयुक्त कार्रवाई की। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शहर के कुछ हिस्सों में झोलाछाप और फर्जी डॉक्टर नियमों को ताक पर रखकर एलोपैथिक इलाज कर रहे हैं। मामले की जांच करने के दौरान यह सामने आया कि इनमें से कुछ के पास होम्योपैथी की डिग्री तो थी, लेकिन वे नियमों के खिलाफ जाकर एलोपैथिक दवाइयों से मरीजों का इलाज कर रहे थे। वहीं, कुछ के पास किसी भी तरह की मेडिकल योग्यता नहीं थी। मिली जानकारी के अनुसार क्राइम ब्रांच के तरफ से शहर की 5 क्लीनिकों पर कार्रवाई की गई। इनमें से 4 क्लीनिक देवनार के जाकिर हुसैन नगर और गोवंडी इलाके में स्थित थे, जबकि एक क्लीनिक बांद्रा पूर्व के नौपाड़ा इलाके में चल रही थी। पुलिस ने छापों के दौरान क्लीनिकों से कुल 119324 रुपये की एलोपैथिक दवाइयां और मेडिकल सामान जब्त किया।

छात्र आंदोलन पर राहुल बोले- मोदी के हिंसक शासन के सामने खड़े होकर जवाबदेही मांगना काबिल-ए-तारीफ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 22 अगस्त को महाराष्ट्र के पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं ने इस शासन के सामने जिस साहस और मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की, वह काबिल-ए-तारीफ है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भारत के युवाओं ने मोदी जी के हिंसक शासन के सामने जिस साहस और मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की, वह काबिल-ए-तारीफ है। उन्होंने शांति, मोहब्बत और हंसी-मजाक के साथ अपनी आवाज बुलंद की।'

युवाओं की की आवाज दबाई नहीं जा सकेगी- राहुल

नेता प्रतिपक्ष ने लिखा, 'मुझे हर एक युवा पर गर्व है, खासकर उन लड़कियों पर, जिन्हें भाजपा के गुंडों की बदसलूकी, गाली-गलौज और हिंसा का सामना करना पड़ा, यहां तक कि उन्हें प्रधानमंत्री से माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया। लेकिन अब उनकी आवाज दबाई नहीं जा सकेगी।' राहुल ने पोस्ट में कहा, '22 अगस्त को 'छात्रों की गूंज' पुणे पहुंच रही है और इस बार का कार्यक्रम सिर्फ लड़कियों के लिए होगा। अब लड़कियां बोलेंगी, देश सुनेगा।' इसके साथ ही, उन्होंने इस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए एक लिंक शेयर किया है।

साथ ही, राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल रहे 5 युवक-युवतियों से संवाद का एक वीडियो भी शेयर किया। राहुल से बात करते हुए लड़कियों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई की आलोचना की। एक लड़की ने कहा, 'पुलिसवाले हमसे से कह रहे थे कि आप देशद्रोही हो।'

छात्रों ने लगाए गंभीर आरोप

लड़कियों ने आरोप लगाए कि उन्हें सोशल मीडिया पर धमकियां और गालियां मिल रही थीं। इसी संवाद के दौरान एक युवक ने आरोप लगाया, 'जितने भी वहां अधिकारी थे, वह भाजपा के फेबरेवल थे। वरना वे इतना बड़ा कदम नहीं उठाते। हमने दो दिन पहले ही वीडियो शेयर किए थे, जिसमें पत्थरों की गाड़ियां आई थीं। वो गाड़ियां प्लांट की गई थीं।'

उसने कहा, 'मुझे जिस अधिकारी ने मारा था, उसकी वर्दी पर नेमप्लेट नहीं थी। दिल्ली पुलिस के कर्मचारियों की वर्दी पर भी नेमप्लेट नहीं थी। उन्होंने रूमाल से अपने चेहरे भी ढक लिए थे। सिविल ड्रेस में भी लोग थे और सबको मार रहे थे।'

बातचीत में राहुल गांधी ने कहा, बहुत सारे ऐसे लोग हैं, जो सामने अन्याय देखते हैं। किसी को मारा जा रहा है, पीटा जा रहा है और धमकाया जा रहा है, पर वो लोग चुप होकर अपना काम करते हैं। मैं इसे नेशनहुड और सिटिजनशिप मानता हूं।

उन्होंने कहा कि जो मुझे अजीब लगा कि आप लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। आपको धमकाकर माफी करवा रहे हैं। इसी बीच, राहुल गांधी ने पीएम मोदी की ओर से छात्रों को माफ किए जाने को 'ड्रामा' बताया। उन्होंने कहा, 'तीन लड़कियों को माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया और प्रधानमंत्री ने इस माफी को स्वीकार किया।'

सोनिया गांधी पर FIR नहीं हुई तो कोर्ट जाएंगे बीजेपी नेता

वंदे मातरम विवाद में दी लिखित शिकायत

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने सोनिया गांधी के खिलाफ कर्नाटक के मंगलोर स्थित उर्वा पुलिस स्टेशन में एक लिखित शिकायत दी है। इसमें वंदे मातरम गीत का अपमान करने के आरोप में उनके खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। शिकायत दर्ज कराने वाले बीजेपी नेता विकास पुत्तूर ने कहा कि 15 अगस्त को ध्वजारोहण के बाद जब वंदे मातरम गाया जा रहा था, तब सोनिया गांधी ने बीच में रोक-टोक की। उन्होंने आरोप लगाया कि सोनिया जी ने वहां मौजूद कार्यकताओं को गाना रोकने के लिए कथित तौर पर इशारा किया, जिसे पूरे देश ने देखा है। बीजेपी नेता ने दावा किया कि कांग्रेस का इतिहास हमेशा से वंदे मातरम का विरोध करने का रहा है और राष्ट्रगीत को इस तरह बीच में रुकवाना कानूनन एक अपराध है। इससे पहले खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और सोनिया गांधी पर हमला बोलते हुए कहा था कि उन्हें इस हरकत के लिए पूरे देश और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय से माफी मांगनी चाहिए।

आशीष बनर्जी का शव बीरभूम के टीएमसी कार्यालय में फंदे से लटका मिला

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष आशीष बनर्जी का शव बीरभूम जिले में तृणमूल कांग्रेस के कार्यालय में रविवार सुबह फंदे से लटका मिला। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि रामपुरहाट के हताताला पाड़ा इलाके में बनर्जी के आवास के पास स्थित पार्टी कार्यालय से एक कथित 'सुसाइड नोट' भी बरामद हुआ है।

पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। सूत्रों ने बताया कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि बनर्जी की मौत किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस कथित 'सुसाइड नोट' में लिखी बातों की जांच कर रही है।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बनर्जी ने 2001 से 2026 तक राज्य विधानसभा में रामपुरहाट निर्वाचन क्षेत्र का लगातार प्रतिनिधित्व किया था। वह विधानसभा के उपाध्यक्ष रहे और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पूर्ववर्ती सरकार में स्कूली शिक्षा एवं कृषि समेत विभिन्न विभागों के मंत्री भी रहे। उन्होंने 2026 का विधानसभा चुनाव रामपुरहाट सीट से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर लड़ा था, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ध्रुव साहा से 24,000 से अधिक मतों के अंतर से हार गए थे।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि चुनाव में हार के बाद बनर्जी राजनीति में खास सक्रिय नहीं थे। तृणमूल कांग्रेस के नेता अनुब्रत मंडल के पार्टी का जिलाध्यक्ष रहने के दौरान बनर्जी बीरभूम में पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल थे। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब इस साल हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार और उसके 15 वर्ष के शासन का अंत होने के बाद पश्चिम बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है। तृणमूल कांग्रेस के कई पूर्व विधायक और नेता भ्रष्टाचार से संबंधित जांच का सामना कर रहे हैं। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या बनर्जी ने आत्महत्या की और यदि ऐसा है तो उन्हें किस वजह से यह कदम उठाना पड़ा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और कथित 'सुसाइड नोट' की

आशीष बनर्जी के निधन पर ममता बनर्जी का छलका दर्द, कहा- झूठे आरोपों से थे परेशान

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर और पार्टी के वरिष्ठ नेता आशीष बनर्जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस दुखद खबर से वे बेहद आहत और व्यथित हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए ममता बनर्जी ने आशीष बनर्जी के लंबे राजनीतिक और सामाजिक जीवन को याद किया। उन्होंने कहा कि आशीष दा ने अपना पूरा जीवन शिक्षा, जनसेवा और समाज के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया था। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि अपने जीवन के अंतिम दिनों में आशीष बनर्जी को भारी मानसिक और भावनात्मक तनाव झेलना पड़ा। उन्होंने कहा कि उनके लंबे सार्वजनिक जीवन और निष्कलंक काम के बावजूद उन्हें बार-बार निशाना बनाया गया। ममता बनर्जी के मुताबिक, विरोधी दलों और मीडिया के एक वर्ग ने उन पर झूठे आरोप लगाकर उन्हें लगातार बदनाम करने और उन पर अनुचित दबाव बनाने की कोशिश की, जिससे वे काफी आहत थे। ममता बनर्जी ने आशीष बनर्जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि रामपुरहाट से पांच बार विधायक और विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष के रूप में उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए दिन-रात काम किया।

संपादक की कलम से

शुद्धता का अंत, मिलावट का स्वर्णकाल

ललित शर्मा
संपादक

कभी शुद्धता को दैनिक जीवन का एक बुनियादी गुण माना जाता था। चाहे बात भोजन की हो, दवाइयों की, पानी की या घरेलू उपयोग की वस्तुओं की—लोगों को विश्वास होता था कि वे जो कुछ खरीद रहे हैं, वह असली, सुरक्षित और हानिकारक पदार्थों से मुक्त होगा। लेकिन आज बढ़ती मिलावट की समस्या एक चिंताजनक सवाल खड़ा करती है : क्या हम शुद्धता के अंत और मिलावट के स्वर्णकाल की ओर बढ़ रहे हैं? मिलावट केवल उपभोक्ताओं के साथ धोखा नहीं है। यह जनस्वास्थ्य, आर्थिक न्याय और सामाजिक विश्वास के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। जब भोजन या अन्य उत्पादों में जानबूझकर घटिया अथवा अवांछित पदार्थ मिलाए जाते हैं, तो तत्काल उद्देश्य अधिक मुनाफा कमाना हो सकता है, लेकिन इसकी दीर्घकालिक कीमत पूरे समाज को चुकानी पड़ती है। भोजन विशेष रूप से मिलावट के प्रति संवेदनशील है। दूध, मसाले, खाद्य तेल, मिठाइयाँ, अनाज, दालें और रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली अनेक वस्तुएँ मिलावट का शिकार हो सकती हैं। आकर्षक पैकेजिंग और आधुनिक मार्केटिंग किसी उत्पाद की गुणवत्ता का प्रभाव पैदा कर सकती है, लेकिन वास्तविक सामग्री कुछ और कहानी बता सकती है। आम उपभोक्ता के पास न तो प्रयोगशाला की सुविधाएँ होती हैं और न ही प्रत्येक उत्पाद की गुणवत्ता की जाँच करने का तकनीकी ज्ञान। समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब मिलावट आवश्यक वस्तुओं में हो। भोजन खरीदने वाला व्यक्ति पोषण की अपेक्षा करता है, किसी अदृश्य स्वास्थ्य जोखिम की नहीं। इसी तरह दवा खरीदने वाला मरीज उपचार की उम्मीद करता है, उसकी गुणवत्ता को लेकर अनिश्चितता की नहीं। इसलिए उत्पादक और उपभोक्ता के बीच विश्वास अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिलावट लगातार क्यों बढ़ रही है? इसके पीछे सबसे बड़े कारणों में से एक मुनाफा है। जब गलत तरीके उत्पादन लागत को कम कर देते हैं या किसी उत्पाद की मात्रा को बढ़ा हुआ दिखाते हैं, तो बेईमान कारोबारी उन लोगों की तुलना में अधिक लाभ कमा सकते हैं जो गुणवत्ता के मानकों को बनाए रखते हैं। कमजोर निगरानी, उपभोक्ताओं में सीमित जागरूकता और अपर्याप्त परीक्षण व्यवस्था इस समस्या को और बढ़ा सकती है। तकनीक इस मामले में चुनौती भी है और अवसर भी। आधुनिक प्रयोगशालाएँ अनेक प्रकार की मिलावट का अत्यंत सटीक पता लगा सकती हैं। पोर्टेबल परीक्षण उपकरण, डिजिटल ट्रेसेबिलिटी, बेहतर पैकेजिंग तकनीक और डेटा आधारित निरीक्षण प्रणालियाँ आपूर्ति श्रृंखला को अधिक पारदर्शी बना सकती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी उत्पादन, वितरण और उपभोक्ता शिकायतों में असामान्य पैटर्न की पहचान करने में नियामक संस्थाओं की सहायता कर सकती है। लेकिन केवल तकनीक इस समस्या का समाधान नहीं कर सकती। व्यापार के केंद्र में नैतिकता का होना आवश्यक है। कोई भी कानून या नियम पूरी तरह ईमानदारी का स्थान नहीं ले सकता। व्यवसायियों को समझना होगा कि मिलावट से प्राप्त अल्पकालिक लाभ जनस्वास्थ्य को नुकसान पहुँचा सकता है, उपभोक्ताओं का विश्वास नष्ट कर सकता है और अंततः पूरे उद्योग की प्रतिष्ठा को प्रभावित कर सकता है। उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जागरूकता बचाव की पहली सीढ़ी है। लोगों को विश्वसनीय स्रोतों से उत्पाद खरीदने चाहिए, लेबल और समाप्ति तिथि की जाँच करनी चाहिए, असामान्य रूप से सस्ते उत्पादों से सावधान रहना चाहिए और मिलावट का संदेह होने पर संबंधित अधिकारियों को सूचित करना चाहिए। उपभोक्ता शिक्षा को जनस्वास्थ्य शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाना चाहिए। सरकारों को खाद्य और अन्य उत्पादों की परीक्षण व्यवस्था को मजबूत करना चाहिए, निरीक्षण बढ़ाने चाहिए, जानबूझकर मिलावट करने वालों के लिए प्रभावी दंड सुनिश्चित करना चाहिए और परीक्षण सुविधाओं को आम लोगों के लिए अधिक सुलभ बनाना चाहिए।

बरगद की छांव: प्रकृति का स्नेहिल आश्रय

डॉ विजय गर्ग
लेखक

बरगद का पेड़ भारतीय प्रकृति, संस्कृति और लोकजीवन का ऐसा हिस्सा है, जिसे केवल एक वृक्ष कहना उसके महत्व को सीमित कर देना होगा। उसकी विशाल शाखाएँ, दूर तक फैलती जटाएँ, घना फैलाव और शीतल छाया उसे प्रकृति की एक जीवंत छतरी बना देते हैं। गाँवों में कभी बरगद के नीचे बैठकी होती थी, राहगीर विश्राम करते थे, बच्चे खेलते थे और बुजुर्ग जीवन के अनुभव साझा करते थे। इसीलिए बरगद केवल पेड़ नहीं, बल्कि साझे जीवन, धैर्य, संरक्षण और अपनत्व का प्रतीक बन गया।

आज जब शहरों का विस्तार लगातार बढ़ रहा है, पेड़ों की संख्या घट रही है और प्राकृतिक स्थानों का दायरा सिकुड़ता जा रहा है, तब बरगद की छांव हमें प्रकृति के साथ अपने संबंध को फिर से समझने का अवसर देती है। यह छांव केवल गर्मी से राहत नहीं देती; यह मनुष्य और प्रकृति के बीच उस भावनात्मक रिश्ते की याद दिलाती है, जिसमें प्रकृति बिना किसी अपेक्षा के हमें जीवन, हवा, आश्रय और शांति प्रदान करती है।

बरगद: एक वृक्ष से कहीं अधिक

बरगद का वैज्ञानिक नाम Ficus benghalensis है। इसकी सबसे विशेष पहचान इसकी शाखाओं से नीचे की ओर निकलने वाली वायवीय जड़ें हैं। ये जड़ें धीरे-धीरे जमीन तक पहुँचती हैं और समय के साथ तने जैसी संरचना बना लेती हैं। परिणामस्वरूप एक ही बरगद का पेड़ कई स्तंभों पर टिका हुआ एक विशाल प्राकृतिक मंडप जैसा दिखाई देने लगता है।

इसी विस्तार के कारण बरगद लंबे समय तक जीवित रह सकता है और बहुत बड़े क्षेत्र को अपनी छाया में समेट सकता है। एक परिपक्व बरगद का दृश्य अपने आप में प्रकृति की स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है। उसकी प्रत्येक शाखा मानो आकाश की ओर बढ़ती हुई एक कहानी है और प्रत्येक जड़ धरती से उसके गहरे संबंध का प्रमाण।

बरगद हमें यह भी सिखाता है कि विकास केवल ऊपर की ओर बढ़ने का नाम नहीं है। उसकी शाखाएँ आकाश की ओर जाती हैं, लेकिन उसकी जड़ें धरती की ओर लौटती रहती हैं। ऊँचाई और आधार के इस संतुलन में जीवन का एक गहरा दर्शन छिपा है।

छांव जो केवल शरीर को नहीं, मन को भी ठंडक देती है

तेज गर्मी में पेड़ की छाया का महत्व सहज रूप से समझ में आता है। बरगद की घनी छतरी सूर्य की सीधी गर्मी से राहत देती है। लेकिन उसकी छांव का महत्व केवल तापमान कम करने तक सीमित नहीं है।

किसी बड़े पेड़ के नीचे बैठने पर मनुष्य को एक अलग तरह की शांति का अनुभव होता है। पत्तों की हल्की सरसराहट, पक्षियों की आवाजें, हवा की गति और आसपास की हरियाली मन को प्राकृतिक वातावरण से जोड़ती हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में जहाँ मनुष्य लगातार स्क्रीन, शोर और कृत्रिम वातावरण से घिरा रहता है, वहाँ पेड़ के नीचे कुछ समय बिताना मानसिक विश्राम का अवसर दे सकता है।

बरगद की छांव इसलिए प्रकृति का स्नेहिल आश्रय प्रतीत होती है—ऐसा आश्रय जो किसी से कुछ माँगता नहीं, केवल देता है।

भारतीय संस्कृति में बरगद

भारतीय परंपरा में बरगद का विशेष स्थान रहा है। अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में इसे पवित्र माना गया है। भारतीय समाज ने सदियों से वृक्षों को केवल उपयोगिता की वस्तु नहीं माना, बल्कि उनके साथ भावनात्मक और सांस्कृतिक संबंध भी बनाया।

गाँवों और कस्बों में बरगद अक्सर सार्वजनिक जीवन का केंद्र हुआ करता था। उसके नीचे पंचायतें बैठती थीं, यात्रियों को विश्राम मिलता था और लोग आपसी बातचीत करते थे। कई स्थानों पर बरगद के पेड़ के आसपास छोटे धार्मिक स्थल भी विकसित हुए।

इस प्रकार बरगद ने भारतीय समाज में प्रकृति और सामुदायिक जीवन के बीच पुल का काम किया।

गाँव की स्मृतियों का पेड़

बरगद की सबसे सुंदर विशेषताओं में से एक यह है कि वह स्मृतियों को अपने साथ जोड़ लेता है। किसी गाँव का पुराना बरगद केवल वनस्पति नहीं रहता; वह स्थानीय इतिहास का मूक साक्षी बन जाता है।

उसने कई पीढ़ियों को आते-जाते देखा होता है। बच्चों को खेलते, युवाओं को बातचीत करते, बुजुर्गों को अनुभव साझा करते और यात्रियों को विश्राम करते देखा होता है। उसके आसपास की मिट्टी में अनगिनत कहानियाँ छिपी होती हैं।

कई ग्रामीण क्षेत्रों में बरगद के नीचे बैठने की परंपरा ने सामाजिक संबंधों को मजबूत किया। लोग एक-दूसरे से मिलते थे, समाचार साझा करते थे, समस्याओं पर चर्चा करते थे और सामूहिक निर्णय लेते थे।

आज डिजिटल संचार ने दूरी कम कर दी है, लेकिन प्रत्यक्ष संवाद का समय कम होता जा रहा है। बरगद की छांव हमें याद दिलाती है कि समाज केवल संदेशों से नहीं, मुलाकातों से भी बनता है।

जैव विविधता का प्राकृतिक आश्रय

बरगद का महत्व केवल मनुष्य के लिए नहीं है। यह अनेक पक्षियों, कीटों और अन्य जीवों के लिए भोजन तथा आश्रय का स्रोत है। इसके फल अनेक पक्षियों के आहार का हिस्सा बनते हैं। इसकी शाखाएँ और घना फैलाव पक्षियों के लिए बैठने तथा घोंसले बनाने के अवसर प्रदान कर सकते हैं।

बरगद और उसके परागण से जुड़े कीटों के बीच भी एक विशेष जैविक संबंध है। फाइकस प्रजातियों के पेड़ों और उनसे जुड़े परागणकर्ता ततैयों के बीच लंबे समय से विकसित सहजीवी संबंध प्रकृति की जटिलता और परस्पर निर्भरता का उदाहरण हैं।

इसलिए बरगद को बचाना केवल एक पेड़ को बचाना नहीं है। यह उस छोटे से पारिस्थितिक संसार को बचाना है जो उसके आसपास विकसित होता है।

शहरों में बरगद की जरूरत

तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने बड़े वृक्षों के लिए स्थान कम कर दिया है। सड़कें चौड़ी हो रही हैं, इमारतें बढ़ रही हैं, पार्किंग की जरूरत बढ़ रही है और निर्माण गतिविधियों के कारण पुराने पेड़ कई बार खतरे में पड़ जाते हैं।

शहरों में बरगद जैसे विशाल वृक्षों को स्थान देना आसान नहीं है, क्योंकि उन्हें पर्याप्त जगह चाहिए। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि उन्हें हटाना ही समाधान है।

शहरी नियोजन में पुराने और महत्वपूर्ण वृक्षों को बचाने की योजना बनाई जानी चाहिए। सड़क और भवन निर्माण की योजनाएँ इस तरह तैयार की जा सकती हैं कि जहाँ संभव हो, मौजूदा बड़े वृक्षों को संरक्षित रखा जाए। एक पुराने वृक्ष को काटकर नया पौधा लगाना हमेशा समान विकल्प नहीं होता। नया पौधा भविष्य का वृक्ष है, जबकि पुराना बरगद वर्तमान में छाया, जैव विविधता और पारिस्थितिक सेवाएँ प्रदान कर रहा होता है।

जलवायु परिवर्तन के दौर में प्राकृतिक छांव

बढ़ते तापमान और शहरी गर्मी के बीच पेड़ों की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। बड़े वृक्ष स्थानीय स्तर पर छाया प्रदान करते हैं और वाष्पोत्सर्जन के माध्यम से वातावरण को ठंडा करने में योगदान करते हैं। शहरों में पेड़ों की कमी से गर्म सतहों—कंक्रीट, डामर और इमारतों—का प्रभाव अधिक महसूस हो सकता है। इस संदर्भ में बरगद जैसी विशाल छतरी वाले वृक्ष प्राकृतिक शीतलन व्यवस्था का हिस्सा बन सकते हैं। आज जब हम हर समस्या का समाधान मशीनों और ऊर्जा-आधारित तकनीकों से खोजने की कोशिश करते हैं, तब पेड़ हमें एक सरल विकल्प की याद दिलाते हैं—प्रकृति को स्थान दीजिए, प्रकृति स्वयं समाधान का हिस्सा बन जाएगी।

बरगद और जल संरक्षण

बड़े वृक्षों की जड़ें मिट्टी की संरचना और जल चक्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। वनस्पति से ढकी जमीन वर्षा के पानी को अधिक समय तक रोकने और उसे मिट्टी में जाने में मदद कर सकती है। पेड़ वर्षा की बूंदों के सीधे प्रभाव को कम करते हैं और उनकी जड़ें मिट्टी को बाँधने में योगदान देती हैं। हालाँकि किसी एक पेड़ को जल संकट का समाधान मानना उचित नहीं होगा, लेकिन बड़े वृक्षों से युक्त हरित क्षेत्र स्थानीय पारिस्थितिकी को मजबूत करने में मदद करते हैं। इसलिए बरगद की छांव के साथ हमें उसकी जड़ों की भूमिका को भी समझना चाहिए। ऊपर दिखाई देने वाली छाया के पीछे जमीन के भीतर एक अदृश्य संसार काम करता है।

ईरान के चक्रव्यूह में फंसे ट्रंप

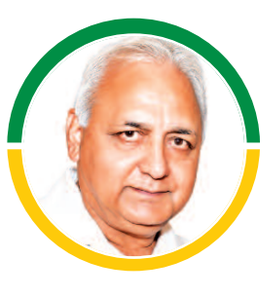

तनवीर जाफरी
लेखक

पूरे विश्व की निगाहें इस समय अमेरिका -ईरान के मध्य चल रहे तनावपूर्ण हालात पर लगी हुई है। इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने अपने छल से राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से एक ऐसे युद्ध में उलझा दिया है जिससे ट्रंप के लिये बड़ी परेशानी खड़ी हो गयी है। विश्व इतिहास में यह पहला मौका है जबकि ईरान जैसा देश प्रत्येक मोर्चों पर अमेरिका को बराबर की चुनौती दे रहा है। नतीजतन ट्रंप के गलत फैसलों से अब अमेरिकी सेना के जवान भी ऊब चुके हैं। पिछले दिनों अमेरिकी नौसेना के एक परमाणु ऊर्जा संचालित सुपर-कैरियर विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन उश्ठ-72 को लेकर एक ऐसी खबर आई जिसने पूरी दुनिया को हैरानी में डाल दिया। यह युद्धपोत 21 नवंबर 2025 को सैन डिएगो, कैलिफोर्निया से अपनी निर्धारित यात्रा पर निकला था। शुरूआत में इसे प्रशांत क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में तैनात किया जाना था, लेकिन जनवरी 2026 में इस्राईल -अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध छिड़ जाने के बाद इसे अचानक पश्चिम एशिया/अरब सागर की ओर मोड़ दिया गया। इस युद्धपोत पर लगभग 5,000 नौसैनिक और मरीन तैनात हैं। इन नौसैनिकों ने समुद्र में लगातार 250 से अधिक दिन बिताए हैं, जिसमें से करीब 200 दिन बिना किसी 'पोर्ट कॉल' अर्थात बिना किसी बंदरगाह पर रुके हुये बीते हैं, जो आधुनिक अमेरिकी नौसेना के इतिहास में एक रिकॉर्ड है। नौसैनिकों व मरीन की इस तैनाती को मूल रूप से मई 2026 में समाप्त होना था, लेकिन ईरान के साथ जारी जंग के कारण इसे बार-बार आगे बढ़ाया गया, जिससे सैनिकों की घर वापसी अनिश्चित हो गई। सैनिकों में पैदा हुये इसी अत्यधिक मानसिक दबाव के चलते कम से कम 6 नौसैनिकों ने युद्धपोत से समुद्र में कूदकर जान देने यानी आत्महत्या करने की कोशिश की, जिन्हें उन्हीं के सैनिक साथियों द्वारा समय रहते बचा लिया गया। इस घटना को लेकर पूरी दुनिया में बड़ी चर्चा छिड़ गई है।

माइक लेविन जैसे कई अमेरिकी सांसदों और मरीन सैनिकों के परिवारों ने भी यह खुलासा किया कि युद्धपोत पर जीवन नरक जैसा हो गया है। कई हफ़्तों तक जहाज पर गर्म पानी नहीं मिलता और टॉयलेट्स व शावर आदि खराब हो चुके हैं। लॉन्ड्री सुविधा बंद रहने से सैनिक गंदे कपड़े पहनने को मजबूर हैं। युद्धपोत पर भोजन और जरूरी सामानों की भारी कमी हो गई, यहाँ तक कि राशन कम होने पर सैनिकों को भोजन में बेहद कम व सीमित मात्रा दी जा रही है। और तो और युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से बहरीन जैसे अमेरिकी ठिकानों से जहाज तक रसद पहुँचाना भी मुश्किल हो गया है। इस हादसे, अमेरिकी सांसदों के दबाव और परिवारों के आक्रोश के बाद अब अमेरिकी नौसेना के कार्यवाहक सचिव हंग काओ ने घोषणा की है कि युद्धपोत को अब रोटेशन प्लान के तहत वापस बुलाया जा रहा है। मिडिल ईस्ट में इसकी जगह लेने के लिए दूसरे विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन को भेजा जा रहा है ताकि थके हुए सैनिकों को राहत मिल सके। परन्तु इस खबर ने वर्तमान समय में अमेरिकी सैनिकों की उबावपूर्ण स्थिति तो उजागर कर ही दी है।

उधर ईरान की तरफ से संभावित खतरे के संदेह में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अंतिम समय में विमान बदलने से जुड़ी हुई एक हैरतअंगेज खबर सामने आई। वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार पिछले महीने तुर्की में नेटो शिखर सम्मेलन से निकलते समय ट्रंप ने गुपचुप तरीके से अपना विमान बदल लिया था। खबरों के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति टेलीविजन कैमरों की मौजूदगी में एयर फोर्स वन में सवार हुए, फिर उन्हें चुपके से एक ऊंचे एयरपोर्ट कैटरिंग ट्रक में ले जाया गया और एक सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। हालांकि, अब वॉशिंगटन पोस्ट की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप ने एक बार फिर विमान बदल दिया था। पोस्ट ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि ट्रंप को पुराने एयर फोर्स वन विमान से एक कैटरिंग कंटेनर में बाहर निकाला गया। यह कंटेनर ट्रंप को एक छोटे सी-32ए विमान तक ले गया। इसी विमान से उन्होंने ब्रिटेन के लिए उड़ान भरी। इस दौरान विमान में सवार पत्रकारों और व्हाइट हाउस के कुछ कर्मचारियों को भी इसकी जानकारी नहीं थी। इससे पहले अंकारा में शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने कहा था कि वो ईरान का 'नंबर वन निशाना' हैं।

ट्रंप के ईरान से भयभीत होने की एक सबसे बड़ी वजह यह भी है कि जुलाई 2026 में ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान ईरान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या से जुड़े बेहद आक्रामक पोस्टर, बैनर और नारे खुले आम लगाए गए थे । फरवरी 2026 में अमेरिका-इस्राईल के हवाई हमलों में अयातुल्ला खामेनेई व उनके कई परिजन शहीद हो गए थे जिसके बाद हुए उनके विशाल अंतिम संस्कार में ईरानी लोगों में काफी आक्रोश देखा गया। अंतिम संस्कार के दौरान राजधानी तेहरान और खामेनेई के दफ़्न वाले शहर मशहद की सड़कों पर जगह

बदरा का शोर

उदय कशोर साह

कविता

अबंर पे मच गया काली बदरा का शोर ।
छा गई अंधेरा छाया नभ पे मेघा घनघोर ।।
गिरने लगी सावन की ठंडी ठंडी फुहार ।
तृप्त हुई धरती तृप्त हुई प्यासी .ये संसार ।।

बदरा के संग संग आई ये अल्हड़ पुरवाई ।
अंधेरे में छुपा झीगुर बजा रहा . शहनाई ।।
दादुर भी गुनगुनाये सुर धुन है बेताल ।
जवां हो गई सुखी सरिता भर गये सब ताल ।।

हरी भरी हुई ये धरती मौसम आया सुहाना ।
कृषक गये खेत बैलों को छुट रहा पसीना ।।
वन उपवन के बीच उड़हुल फूल बना सरताज ।
निकल आई गुंचा हँसीन हुई वर्षों बाद आज ।।

गाँव की गलियां हुई कीचड़ से अब बेहाल ।
कड़कती है जब मेघा नभ से गिरता बज्र काल ।।
डोल रहा पीपल उसपे बैठा बगुला है । कमाल ।
झूल रही दर्जी चिड़ियां की घोसला कैसा है हाल ?

रात है काली अंधेरी पर मौसम है खुशगवार ।
हरी भरी है पहाड़ों की तन कर ली है श्रृंगार ।।
गुलशन में खिली खिली कलियां मधुर सकाल ।
काश । बरसती ये वर्षा धरा पे पूरे ही साल ।।

वाह रे मदारी; सब कुछ छीनकर, अन्नदाता के कटोरे में 16 रुपए की भीख?

एनके शर्मा
लेखक

भारत के लोकतंत्र का सबसे बड़ा विरोधाभास शायद यही है कि जिस किसान के पसीने से देश की रसोई जलती है, उसी किसान की आर्थिक विवशता को सरकारी सहायता की कुछ हजार रुपयों की किश्तों में नापा जाता है। खेत में बीज डालने से लेकर फसल मंडी तक पहुँचाने के बीच किसान मौसम, बाजार, महंगाई, कर्ज, बिचौलियों और नीतिगत अनिश्चितताओं से लड़ता है; लेकिन उसकी आर्थिक सुरक्षा का सरकारी उत्तर आज भी ₹6,000 सालाना की सहायता है—अर्थात लगभग ₹16.44 प्रतिदिन। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत पात्र किसान परिवारों को ₹6,000 प्रतिवर्ष तीन समान किस्तों में दिए जाते हैं। जुलाई 2026 में केंद्र सरकार ने इस योजना को वित्त वर्ष 2030-31 तक जारी रखने के लिए लगभग ₹3.16 लाख करोड़ के प्रावधान को मंजूरी भी दी है।

सवाल यह नहीं कि किसान को 6,000 क्यों दिए जा रहे हैं। सवाल यह है कि जिस देश में किसान को 'अन्नदाता' कहकर सम्मानित किया जाता है, वहां उसकी आर्थिक गरिमा की कीमत इतनी छोटी क्यों निर्धारित कर दी गई है? क्या सम्मान केवल संबोधन है और सहायता केवल सांत्वना? कल्पना कीजिए—एक मनुष्य पूरे वर्ष सूरज की आग, सर्दी की कंपकंपी, बारिश की मार और बाजार की अनिश्चितता के बीच अपनी जमीन पर खून-पसीना बहाता है। वह अन्न पैदा करता है, जिसे शहर का मजदूर, व्यापारी, अधिकारी, उद्योगपति, शिक्षक, डॉक्टर और सत्ता का प्रत्येक केंद्र उपभोग करता है। लेकिन उसी किसान को जब साल के अंत में हिसाब दिया जाता है तो सरकार कहती है—लो, तुम्हारे सम्मान की कीमत 6,000 है! यह सहायता किसान के लिए उपयोगी हो सकती है; बीज, खाद या कृषि संबंधी छोटे खर्च में उसका हाथ थाम सकती है। स्वयं सरकार इसे कृषि आवश्यकताओं में सहायता देने वाला आय-समर्थन बताती है। लेकिन सहायता और आर्थिक न्याय में जमीन-आसमान का अंतर है। किसी प्यासे व्यक्ति को पानी का चलचित्र दिखा देने से उसकी प्यास नहीं बुझती। उसी तरह आर्थिक संकट से जूझ रहे किसान के खाते में 2,000 की किश्त डाल देना उसकी संरचनात्मक समस्याओं का समाधान नहीं है। विडंबना देखिए—जिस किसान की फसल का मूल्य मौसम और बाजार तय करते हैं, उसकी लागत लगातार बढ़ती है; लेकिन उसकी आय के प्रश्न का उत्तर अक्सर योजनाओं, घोषणाओं और समारोहों की भाषा में मिलता है। खाद महंगी हो सकती है, डीजल महंगा हो सकता है, कृषि मशीनरी महंगी हो सकती है, मजदूरी बढ़ सकती है, बिजली और सिंचाई की लागत बदल सकती है; मगर किसान की आय के सामने सरकारी संवेदना कई बार 6,000 के आंकड़े पर ठहर जाती है। और यहीं से लोकतंत्र का वह आईना सामने आता है, जिसमें चेहरों की असमानता भयावह दिखाई देती है। संसद के सदस्यों के वेतन और भत्तों में 2025 में संशोधन के बाद सांसद का मासिक वेतन 1,24,000, दैनिक भत्ता 2,500 और निर्वाचन क्षेत्र भत्ता 87,000 निर्धारित हुआ। इसके अतिरिक्त कार्यालय व्यय और अन्य सुविधाओं के प्रावधान भी हैं। यह तुलना अपने आप में किसी व्यक्ति या दल को अपराधी ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं है। जनप्रतिनिधियों को कार्य करने के लिए वेतन और संसाधन मिलना लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा है। असली प्रश्न इससे कहीं अधिक गंभीर है—क्या जनप्रतिनिधियों की सुविधाओं की वृद्धि और अन्नदाता की आर्थिक सुरक्षा के बीच कोई न्यायपूर्ण अनुपात, कोई संवेदनशील प्राथमिकता और कोई सार्वजनिक नैतिकता भी है? जब सत्ता के गलियारों में सुविधाएं अधिकार की तरह और किसान के हिस्से की सहायता एहसान की तरह प्रस्तुत होने लगे, तब लोकतंत्र का सामाजिक चरित्र प्रश्नों के घेरे में आ जाता है। किसान को केवल नकद सहायता नहीं चाहिए। उसे ऐसी कृषि अर्थव्यवस्था चाहिए जिसमें उसकी मेहनत का मूल्य मिले। उसे समय पर और पर्याप्त सिंचाई चाहिए, गुणवत्तापूर्ण बीज चाहिए, लागत के अनुरूप लाभकारी मूल्य चाहिए, भंडारण की व्यवस्था चाहिए, फसल खराब होने पर प्रभावी बीमा चाहिए, सस्ता और पारदर्शी संस्थागत ऋण चाहिए तथा मंडी और बाजार में वास्तविक सौदेबाजी की शक्ति चाहिए। उसे ऐसी नीति चाहिए जिसमें सरकार उसकी फसल खरीदने के समय उसके साथ खड़ी दिखाई दे, केवल चुनावी मंच पर नहीं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि किसान को 'लाभार्थी' बनाकर कब तक देखा जाएगा? वह इस देश की अर्थव्यवस्था का उत्पादक है, केवल सरकारी योजनाओं का उपभोक्ता नहीं। जिस व्यक्ति के हाथों से भोजन पैदा होता है, उसे स्थायी रूप से सहायता का पात्र मानना उसके श्रम की गरिमा को छोटा करना है। किसान को 6,000 दीजिए—लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित कीजिए कि उसे उसकी उपज का न्यायपूर्ण मूल्य मिले। उसे सहायता दीजिए—लेकिन ऐसी कृषि नीति भी दीजिए जिसमें वह सहायता पर निर्भर न रहे। उसके खाते में पैसा डालिए—लेकिन उसकी उत्पादन लागत, बाजार जोखिम और ऋण संकट को भी संबोधित कीजिए। वरना यह व्यवस्था उस मदारी के खेल जैसी प्रतीत होगी जिसमें एक हाथ से तमाशा दिखाया जाता है और दूसरे हाथ से जेब खाली कर दी जाती है। किसान को सम्मान का तमगा पहनाकर यदि उसकी आर्थिक स्वतंत्रता छीन ली जाए, तो यह सम्मान नहीं, राजनीतिक अभिनय है। लोकतंत्र में जनता का धन जनता के कल्याण के लिए होता है। जनप्रतिनिधियों की सुविधाएं भी उसी सार्वजनिक संसाधन से आती हैं और किसान की सहायता भी। इसलिए सवाल किसी व्यक्ति की सुविधा से अधिक राजकीय प्राथमिकताओं का है। क्या हमारा बजट उस व्यक्ति को पर्याप्त सुरक्षा देता है जो देश की खाद्य सुरक्षा की पहली पंक्ति में खड़ा है? क्या उसकी आय, स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, ऋण और वृद्धावस्था को उतनी ही गंभीरता मिलती है जितनी सत्ता के संस्थानों को?

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

यूनिवर्सल एकेडमी में हर्षोल्लास के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस : खुशबू कर्णवाल

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

बिजनौर। बिजनौर। यूनिवर्सल एकेडमी, बिजनौर में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अनुज त्यागी एवं उप प्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। विद्यालय प्रबंधक राकेश कर्णवाल, प्रबंध समिति के सदस्य शुभम कर्णवाल, अपर्णा कर्णवाल, प्रधानाचार्य डॉ. अनुज त्यागी एवं उप प्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों ने स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों के त्याग और बलिदान पर आधारित लघु नाटिका प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया। प्रस्तुतियों के दौरान पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। विद्यालय प्रबंधक राकेश कर्णवाल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें महात्मा गांधी, भगत सिंह और सुभाष चंद्र बोस जैसे महान सेनानियों के त्याग और बलिदान को याद करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य डॉ. अनुज त्यागी ने कहा कि तिरंगे की आन, बान और शान बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की अपील की। उप प्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश के वीरों के संघर्ष, बलिदान और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। हमें शहीदों को याद करते हुए देश की रक्षा और सम्मान के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में गतिविधि प्रभारी अभिलाष, अनीता चौधरी, नृत्य शिक्षक ओम, संगीत शिक्षक नितिन, संजय, कला प्रभारी नितिन चौधरी, खेल शिक्षक अजीत, सभी समन्वयकों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व, राष्ट्रीय एकता और देशप्रेम का संदेश दिया। शिक्षकों ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा और प्रस्तुतियों की सराहना की।

एम.डी. इंटरनेशनल सीनियर सेकंडरी स्कूल में हरियाली तीज पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

नूरपुर। राजा का ताजपुर के निकटवर्ती ग्राम रवाना शिकारपुर के विश्वसनीय एवं प्रसिद्ध विद्यालय एम.डी. इंटरनेशनल सीनियर सेकंडरी स्कूल में हरियाली तीज की पूर्व संध्या पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य टीकम सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा हरियाली तीज के विषय में बच्चों को जानकारी प्रदान की। इसके बाद विद्यालय के ऑडिटोरियम में प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। मेहंदी प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और अत्यधिक आकर्षक डिजाइन बनाये। सभी प्रतियोगियों में सर्वश्रेष्ठ का चयन करना निरीक्षकों के लिए कठिन हो गया। अंततः सरदार भगत सिंह हाउस (रेड हाउस) को प्रथम स्थान , नेताजी सुभाष चंद्र बोस हाउस (ब्लू हाउस) को द्वितीय स्थान, तथा ऐ.पी.जे. अब्दुल कलाम हाउस (येलो हाउस) को तृतीय स्थान प्रदान किया गया। विजेता छात्राओं में प्रथम स्थान पर संध्या, शालू, वंशिका, सलोनी, इलमा, यशिका। (रेड हाउस)द्वितीय स्थान पर प्रज्ञा, प्रिया, शिद्रा, फातिमा, नाज़िया, हिमानी (ब्लू हाउस) तथा तृतीय स्थान पर आरिका, काव्या, सुमेरा, आरबी, इकरा, आफिया (येलो हाउस) रहीं। विजेताओं को पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र वितरित कर कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रिंस कुमार राणा ने किया।

स्वतंत्रता दिवस पर प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को मेडल और प्रमाणपत्र देकर किया सम्मानित

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

खुनियांव/सिद्धार्थनगर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एमआई पब्लिक स्कूल बनगाई में शुक्रवार को हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समारोह में पूर्व जिला पंचायत सदस्य सत्यनारायण यादव और उबैद ने विद्यालय के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। अतिथियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मान मिलने पर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी और उत्साह से खिल उठे। अतिथियों ने कहा कि बच्चों को उनकी प्रतिभा के लिए सम्मानित करने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होते हैं। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानना, उन्हें प्रोत्साहित करना और उनके सर्वांगीण विकास के लिए अवसर उपलब्ध कराना विद्यालय की प्राथमिकता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्रबंधक एमके शेख, उपप्रबंधक साजिद शेख, प्रधानाध्यापिका सविता यादव, उपप्रधानाध्यापिका प्रतीक्षा पांडेय सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।अंत में विद्यालय परिवार ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य सत्यनारायण यादव और उबैद का आभार जताते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। इस अवसर पर राम सरन, हेमंत, राहुल, फैज, शमसुल हुदा, अजय, दिनेश, रंजीत, अवधेश पाल, अमीषा, काजल, सुमन एवं सबा सहित समस्त अध्यापक मौजूद रहे।

श्री हरिहर मंदिर को मुक्त कराने की मांग को लेकर उमड़ा जनसैलाब

संभल के हरिहर मंदिर में जल चढ़ाने जा रहे शिवसेना कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। संभल जनपद स्थित ऐतिहासिक श्री हरिहर मंदिर को मुक्त कराकर उसके भव्य पुनर्निर्माण की मांग को लेकर शिवसेना पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओर से प्रदर्शन किया गया। जिला प्रमुख नन्हे चौधरी के नेतृत्व में सैकड़ों शिवसेना कार्यकर्ता हरथला स्थित उनके निवास पर एकत्र हुए। इसके बाद कार्यकर्ता जुलूस के रूप में संभल स्थित हरिहर मंदिर में जल चढ़ाने के लिए रवाना हुए, लेकिन पुलिस ने रास्ते में उन्हें रोक दिया। इसके बाद शिवसेना पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन पुलिस अधिकारियों को सौंपा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रमुख ललित मोहन शर्मा ने कहा कि संभल में भगवान श्री विष्णु को समर्पित ऐतिहासिक श्री हरिहर मंदिर स्थित है। उन्होंने दावा किया कि मंदिर का निर्माण हिंदू सम्राट पृथ्वीराज चौहान के शासनकाल में कराया गया था। संगठन का आरोप है कि मुगल शासन के दौरान मंदिर पर कब्जा कर उसके मूल स्वरूप में परिवर्तन किया गया। उन्होंने कहा कि मंदिर की मुक्ति और उसके पुनर्निर्माण की मांग को लेकर शिवसेना पिछले करीब 25 वर्षों से शांतिपूर्ण तरीके से प्रयास कर रही है। संगठन का कहना है कि मंदिर से संबंधित ऐतिहासिक प्रमाण शिवसेना के सांसदों के पास मौजूद हैं और इस विषय को संसद में भी उठाया गया है। शिवसेना पदाधिकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से मांग की कि संभल स्थित श्री हरिहर मंदिर को मुक्त कराकर उसका भव्य एवं सम्मानजनक पुनर्निर्माण कराया जाए। संगठन ने कहा कि इससे हिंदू समाज की आस्था और धार्मिक भावनाओं का सम्मान होगा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा कार्यकर्ताओं को रोके जाने के बाद जिला प्रमुख नन्हे चौधरी, मंडल प्रमुख गुड्डू सैनी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रमुख ललित मोहन शर्मा ने पुलिस को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मंदिर की मुक्ति और पुनर्निर्माण की मांग को लेकर नारे भी लगाए। कार्यक्रम में राज्य सचिव रामप्रसाद प्रजापति, मंडल प्रमुख गुड्डू सैनी, महानगर प्रमुख मुरादाबाद मनोज कुमार, बाबा कुशल सिंह, नितिन वर्मा, रजत शोत्रिय, राकेश कुमार प्रजापति, ओमप्रकाश सैनी, मुकेश सक्सेना, रोहिताश कश्यप, मंगली सैनी, मोहर सिंह कश्यप, इंद्रजीत सिंह, मुकेश दिवाकर, दीपक चौधरी, हर्षित अग्रवाल, पुष्पक सिंह, पुष्पेंद्र चौधरी, मोहित रस्तोगी, अंकित पाल, बंटी झा, तिलक सैनी, ठाकुरदास सैनी, कपिल देव, शंकर लाल, सत्यम कश्यप, उतरेश कुमार, महेश पंडित, राकेश शर्मा, एडवोकेट सुभाष चंद्र शर्मा, लकी चौधरी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बीआईसीटी और कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

वेलकम इण्डिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। कस्बा स्थित भारत इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एंड टेक्नोलॉजी, 'बीआईसीटी' संस्था एवं कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में शनिवार को स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रबंधक भारत प्रसाद मिश्रा द्वारा ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नाटक, नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से देशप्रेम और राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह रहा। शिक्षकों ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए स्वतंत्रता दिवस के महत्व के बारे में बताया। अंत में संस्था के निदेशक आकाश मिश्रा ने विभिन्न कार्यक्रमों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने बच्चों को मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर शिवा पांडेय, मोहम्मद इस्लाम, दुर्गेश , आशुतोष गुप्ता, समेत शिक्षक, विद्यार्थी और अन्य लोग मौजूद रहे।

गुब्बारों से सजी पुलिस चौकी, धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बिस्कोहर स्थित पुलिस चौकी पर शनिवार को स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार शाम को ही पुलिस चौकी को रंग-बिरंगे गुब्बारों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे चौकी प्रभारी अमित कुमार शाही ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद मौजूद पुलिसकर्मियों और नागरिकों ने राष्ट्रगान गाया। इस अवसर पर कस्बे के एक निजी विद्यालय के बच्चों ने करीब 100 मीटर लंबी तिरंगा रैली निकाली। रैली में शामिल बच्चों का पुलिसकर्मियों ने उत्साह बढ़ाया। चौकी प्रभारी के निर्देश पर पुलिसकर्मियों ने सभी बच्चों को बिस्कुट और मिठाई खिलाई तथा पानी पिलाया। बच्चों में इसे लेकर काफी उत्साह रहा। कार्यक्रम में दीवान इंद्रजीत सिंह, सिपाही अजय यादव, आशीष समेत अन्य पुलिसकर्मी, होमगार्ड, चौकीदार और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान चौकी परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

निमार्णाधीन डेयरी और तीन नलकूपों से हजारों का सामान चोरी

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिंभावली। गांव हाजीपुर में चोरों ने एक निमार्णाधीन डेयरी और तीन नलकूपों को निशाना बनाया। शुक्रवार सुबह किसानों और डेयरी संचालक को मौके पर पहुंचने पर चोरी की जानकारी हुई। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में रोष है। गांव निवासी अरविंद रावल की निमार्णाधीन डेयरी से स्ट्रीट लाइट, ग्राइंडर सिलिंडर और अन्य सामान चोरी हुआ। चोरों ने मोटर खोलने का प्रयास किया, पर एल्युमिनियम तार होने से उसे छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने जंगल क्षेत्र में लगे नलकूपों को भी निशाना बनाया। किसान तेजिंदर सिंह के ट्यूबवेल पर चोरी का प्रयास किया गया। भिक्कन और सरकारी नलकूपों से स्टार्टर और बिजली के तार चुरा लिए गए। पुलिस चोरों को पता लगाने में जुट गई है।

किसान सम्मेलन में आधुनिक खेती के गुर सीख किसानों को मिली तकनीकी जानकारी, रामफेर ने जीती बाइक

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। नावडीह गांव में शनिवार को पीआई इंडस्ट्रीज की ओर से पीआई मित्र किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के गांवों से 250 से अधिक किसानों ने भाग लिया। सम्मेलन में किसानों को आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक खेती, फसल सुरक्षा और उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान लकी ड्रा के विजेता नावडीह निवासी किसान रामफेर को मोटरसाइकिल की चाबी और कागजात सौंपे गए। कार्यक्रम का शुभारंभ कंपनी के सीनियर जनरल मैनेजर जय प्रकाश शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने किसानों से पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। मार्केटिंग मैनेजर अमित तिवारी ने धान की उन्नत खेती और खरपतवार नियंत्रण के बारे में जानकारी दी। टेरेटरी मैनेजर सौरभ राय ने फसल सुरक्षा के वैज्ञानिक उपाय बताए। किसानों को 'पीआई मित्र किसान ऐप' के बारे में जानकारी देते हुए उत्पाद की प्रामाणिकता जांचने और डीबीटी के माध्यम से लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई गई। बताया गया कि रामफेर ने 18 जुलाई को धान की फसल के लिए 'नॉमिनी गोल्ड' 200 एमएल दवा खरीदी थी। बोतल पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन करने पर उनका नाम लकी ड्रा में शामिल हुआ। 13 अगस्त को घोषित परिणाम में उन्होंने मोटरसाइकिल जीती। शनिवार को जय प्रकाश शर्मा और विकास छाबड़िया ने उन्हें बाइक की चाबी व कागजात सौंपे। इस मौके पर रिटेलर्स, कृषि प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस 'हर घर तिरंगा 2026' अभियान में सहभागिता

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। जनपद के पिलखुवा स्थित अनवरपुर गांव में सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अंतर्गत संचालित सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसआईएमएस),हापुड़ में 80वां स्वतंत्रता दिवस अत्यंत उत्साह, देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव के साथ मनाया गया। संस्थान के खेल मैदान में आयोजित समारोह में चिकित्सकों,रेजिडेंट्स, फैकल्टी सदस्यों,विद्यार्थियों, इंटर्न्स, नर्सिंग स्टाफ, एलाइड हेल्थकेयर विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम भारत सरकार के 'हर घर तिरंगा 2026' अभियान की भावना के अनुरूप आयोजित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का सम्मानपूर्वक ध्वजारोहण किया गया, जिसके बाद सामूहिक रूप से राष्ट्रगान 'जन गण मन' का गायन हुआ। सभी उपस्थित लोगों ने तिरंगे को सम्मान अर्पित करते हुए राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा एवं गौरव की भावना व्यक्त की। इस अवसर पर संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ.जे. रामचंद्रन तथा उपाध्यक्ष डॉ.रम्या रामचंद्रेन ने विद्यार्थियों, चिकित्सकों, फैकल्टी एवं समस्त स्टाफ को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में शिक्षा, अनुशासन, सेवा, जिम्मेदारी और देशभक्ति के महत्व पर बल दिया।समारोह में वरिष्ठ सलाहकार ब्रिगेडियर डॉ.आर. के. सहगल, महाप्रबंधक एन. वर्धराजन एवं निदेशक श्री रघुवार दत्त की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनकी सहभागिता ने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों में अनुशासन, समर्पण,राष्ट्रसेवा और जिम्मेदार नागरिकता की भावना को और मजबूत किया।कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्या डॉ. बरखा गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन, ईमानदारी, करुणा एवं सामाजिक जिम्मेदारी को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। चिकित्सा अधीक्षक मेजर जनरल डॉ.चरंजीत सिंह अहलूवालिया ने स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े पेशेवरों की राष्ट्र निर्माण में भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और स्वास्थ्यकर्मी उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा,नैतिक आचरण एवं मानवीय संवेदना के माध्यम से राष्ट्र की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम' का गायन भी किया गया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों, भाषणों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन किया तथा एकता, शांति, सद्भाव और राष्ट्रीय एकीकरण का संदेश दिया।समारोह के दौरान 'हर घर तिरंगा 2026' अभियान में सक्रिय सहभागिता के लिए सभी को प्रेरित किया गया।

विद्यार्थियों, चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं कर्मचारियों ने तिरंगे के प्रति सम्मान एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना के साथ अभियान का समर्थन किया।कार्यक्रम ने यह संदेश भी दिया कि शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संस्थान केवल शिक्षा और चिकित्सा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एसआईएमएस विद्यार्थियों को ज्ञान, व्यावसायिक उत्कृष्टता, नैतिक मूल्यों और मानव सेवा की भावना के साथ जिम्मेदार स्वास्थ्य पेशेवर के रूप में तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह के सफल आयोजन में संस्थान के प्रबंधन,वरिष्ठ नेतृत्व, चिकित्सकों, फैकल्टी, विद्यार्थियों, नर्सिंग स्टाफ, प्रशासनिक टीम, सुरक्षा, हाउसकीपिंग एवं सभी विभागों के सामूहिक सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की ओर से समस्त देशवासियों को 80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। संस्थान राष्ट्रीय एकता, अखंडता,शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, मानव सेवा एवं राष्ट्र निर्माण के मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।

गोवर्धन तलहटी में हर्टफुलनेस के 250 से अधिक स्वयंसेवकों द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान

'हम सबने यह ठाना है ब्रज को स्वच्छ बनाना है' के संदेश के साथ श्रद्धालुओं को किया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। ब्रज वैभव अभियान के अंतर्गत हर्टफुलनेस संस्था के 250 से अधिक स्वयंसेवकों ने गोवर्धन के जतीपुरा क्षेत्र की तलहटी और परिक्रमा मार्ग पर व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य गोवर्धन परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं और परिक्रमार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा ब्रजभूमि को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का संदेश देना था। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने परिक्रमा मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता कार्य किया। साथ ही श्रद्धालुओं से अपील की गई कि वे कूड़ा-कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें और ब्रज की पवित्रता बनाए रखने में अपना योगदान दें। हर्टफुलनेस के मथुरा समन्वयक निशांत शर्मा ने कहा कि ब्रज भगवान का घर है। जिस प्रकार हम अपने घर को स्वच्छ रखते हैं, उसी प्रकार ब्रज को स्वच्छ रखना भी हम सभी की जिम्मेदारी है। यह केवल स्वच्छता अभियान नहीं, बल्कि ब्रजभूमि के प्रति सेवा और जिम्मेदारी का भाव है। हर्टफुलनेस के उत्तर प्रदेश समन्वयक अनुपम अग्रवाल ने अभियान में शामिल सभी स्वयंसेवकों का स्वागत किया और सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से ब्रज वैभव अभियान से जुड़कर ब्रजभूमि की सेवा करने का आह्वान किया। अभियान में मथुरा के अलावा इंदौर, नोएडा, दिल्ली, आगरा, अलीगढ़, सासनी, इगलास और गाजियाबाद सहित विभिन्न स्थानों से आए स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर प्रीति अग्रवाल, विकास नेमा, अभिषेक बिल्लौर, सुषमा चौधरी, ममता मीना, चौधरी जी, अनीता पांडे, दुर्गा प्रसाद सेन, प्रवीण जी, राहुल दातरे, भारत भूषण, अमन शर्मा, अरुण कुमार पांडे, निर्मल कुमार मंडल, प्रतिभा अकोत्रा, भावना, सुमित्रा देवी अहलावत, सुलेखा शुक्ला, वाई.एन. त्रिपाठी और सतीश पालीवाल सहित अनेक स्वयंसेवक मौजूद रहे। ब्रज वैभव अभियान का संदेश है कि ब्रज की स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक ब्रजवासी, श्रद्धालु और आगंतुक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर द्वारा कैंप कार्यालय पर किया गया ध्वजारोहण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शनिवार को 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने कैंप कार्यालय संतकबीरनगर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। ध्वजारोहण के उपरांत उपस्थित समस्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई तथा राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण को देश की एकता एवं अखंडता, राष्ट्र की सुरक्षा, संविधान के प्रति निष्ठा तथा अपने कर्तव्यों का पूर्ण ईमानदारी, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई। पुलिस अधीक्षक ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समस्त पुलिसकर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्र की सेवा एवं जनसुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पुलिसकर्मी पूरी निष्ठा एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए आमजन की सुरक्षा, सम्मान एवं विश्वास को बनाए रखने के लिए सदैव तत्पर रहें। समारोह के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने कैंप कार्यालय पर उपस्थित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण को मिष्ठान वितरित कर स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई।

कांग्रेस ने निकाली अमन भाईचारा तिरंगा यात्रा

सैकड़ों वाहनों के लम्बे काफिले के साथ निकली यात्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एआईसीसी पर्यवेक्षक केशर कुमार व जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण चन्द्र पाण्डेय के नेतृत्व में बाघनगर से लोहरौली बाजार तक सैकड़ों वाहनों के लम्बे काफिले के साथ अमन भाईचारा तिरंगा यात्रा भव्य रूप से निकाली गई। यात्रा के दौरान युवाओं और पार्टी कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह देखने को मिला। एआईसीसी पर्यवेक्षक केशर कुमार व जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण चन्द्र पाण्डेय दुपहिया वाहन पर सवार होकर लोगों में जोश भरने का कार्य करते नजर आये। जिलाध्यक्ष प्रवीण चन्द्र पाण्डेय ने कहा कि देश मोहब्बत से आगे बढ़ेगा नफरत से नहीं। यह यात्रा इस बात का सन्देश है कि हम नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहे हैं। यात्रा बाघनगर, पैड़ी, उसरा शहीद, सेमरियावॉ, मूड़ाडिहा बेग, दुधारा से होकर लोहरौली बाजार में संपन्न हों गई। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष हाजी मोहम्मद नजीर, सैयद तारिक हुसैन, जिला उपाध्यक्ष अरुण पाण्डेय, मोईन अंसारी, मौलाना सेराज अहमद, अतीक सिद्दीकी, अहमद जमाल अंसारी, सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष मुहम्मद परवेज अख्तर, एससी विभाग के जिलाध्यक्ष महेश कुमार, सोशल मीडिया विधानसभा अध्यक्ष अखलाक अहमद चौधरी, मोहम्मद सलमान, अख्तर हुसैन, सुजाउल्लाह, अनुराग राय, मुहम्मद अफजल, अमित कुमार सिंह बिट्टू, रियाज अहमद, आदि मौजूद रहे।

मौलाना आजाद इण्टर कॉलेज, खलीलाबाद में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मौलाना आजाद इण्टर कॉलेज, खलीलाबाद में स्वतंत्रता दिवस बहुत ही आकर्षक ढंग से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अध्यक्ष प्रबन्ध समिति एहतिशामुर्रहमान बेग एवं प्रबंधक प्रतिनिधि इल्तिफातुर्रहमान बेग ने ध्वजारोहण किया। उसके उपरान्त प्रधानाचार्य यूनुस अख्तर खान ने संकल्प दिलाया और नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत प्रतिज्ञा दिलाई। प्रबंधक प्रतिनिधि द्वारा *हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट टॉप टेन, स्काउट गाइड में राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त, नेशनल जम्बूरी में प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया।* इस अवसर पर *प्रधानाचार्य यूनुस अख्तर खान ने अंग्रेजों की गुलामी से देश को आजाद करने वाले वीर सपूतों के बलिदान को याद करते हुए उनकी मुख्य भूमिका को छात्र-छात्राओं को बताया। अंत में अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान राष्ट्रीय गीत प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता करायी गयी। उक्त प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन गिरिजानंद यादव,जय प्रकाश एवं मो० उमर सिद्दीकी ने किया। उक्त प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। पूर्व छात्र जीशान अंसारी ने भी एक देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन अब्दुल मुद्दस्सिर खान एवं शोएब अहमद सिद्दीकी ने किया। इस अवसर पर लड्डन खां,पूर्व वरिष्ठ सहायक फैज अहमद, पूर्व कर्मचारी अजीजुल्लाह खां, शिक्षक गण अतिकुल्लाह खां, विजय यादव, मोहिबुल्लाह खां, रीता द्विवेदी, कमालुद्दीन, अब्दुल हक खां, विवेकानंद यादव, कलीमुल्लाह प्रथम, मो0 मोईज अंसारी, काजी साकिब रहमान, नदीम अहमद खां, कलीमुलाह द्वितीय, मो० ताहिर अंसारी, धर्मेंद्र प्रताप यादव, सदरे आलम, शिक्षणेत्तर कर्मचारी गण फुजैल अख्तर खान, कमरुद्दीन, मो० आसिफ, फि रोज खान, सत्य नारायण, कुशलवती, सुशीला, कमलावती आदि उपस्थित थे।*

मानसी गंगा स्थित मुकुट मुखारविंद मंदिर पर किया गया ध्वजारोहण

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। मानसी गंगा स्थित प्रसिद्ध मुकुट मुखारविंद मंदिर पर मंदिर के रिसीवर मनीष बाबा द्वारा विधि-विधान के साथ ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर भगवान के दर्शन किए। ध्वजारोहण के अवसर पर मंदिर रिसीवर मनीष बाबा ने गिरिराज जी की विधिवत पूजा-अर्चना कर भारतवर्ष के कल्याण, सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। उन्होंने देशवासियों की सुख-समृद्धि और सभी के जीवन में मंगल की प्रार्थना करते हुए धार्मिक परंपरा के अनुसार ध्वज अर्पित किया। ध्वजारोहण के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल रहा और श्रद्धालुओं ने गिरिराज महाराज के साथ-साथ देशभक्ति के जयकारे लगाए। कार्यक्रम में सेवायत मनोज लम्बरदार, मंदिर मैनेजर चंद्रविनोद कौशिक, गजेंद्र सिंह एवं सुनील सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर सीएम धामी ने दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी माँ भारती के उपासक, राष्ट्रवादी चिंतक, प्रखर वक्ता, प्रख्यात कवि और लोकतांत्रिक मूल्यों के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रसेवा, सुशासन, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक आदर्शों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी ने राजनीति में उच्च आदर्शों और मूल्यों की स्थापना की। उन्होंने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को सशक्त बनाने के साथ ही भारत को विश्व पटल पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी दूरदर्शी सोच, सरल एवं सहज व्यक्तित्व तथा राष्ट्रहित के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा।

अल हिदायह ग्रुप ऑफ पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। अल हिदायाह ग्रुप ऑफ पब्लिक स्कूल, मीरपुर करही व सेमरियावॉ में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास, देशभक्ति एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य तौफीक अहमद व सेमरियावॉ में विद्यालय के प्रबंधक डॉ. निसार अहमद नदवी ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद राष्ट्रगान के साथ पूरे विद्यालय परिसर में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक मौलाना निसार अहमद ने कहा कि आजादी हमारे लिए अनमोल विरासत है। हमें अपने देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को मजबूत बनाने के लिए सदैव प्रयासरत रहना चाहिए तथा बच्चों को जिम्मेदार और संस्कारवान नागरिक बनाना चाहिए। विद्यालय के निदेशक अबरार अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि देश का उज्ज्वल भविष्य हमारे बच्चों के हाथों में है। शिक्षा के साथ-साथ उनमें देशप्रेम, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। विद्यालय के प्रधानाचार्य तौफीक अहमद व अजहरुद्दीन ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि देश के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को याद करने का अवसर भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, ईमानदारी और लगन के साथ आगे बढ़कर देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां, भाषण, कविताएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों में स्वतंत्रता दिवस को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। इस अवसर पर अजय यादव, शफीक अहमद, दीपक सहनी, मोहम्मद मोहसिन, परवेज अहमद आमरा खान, शाइस्ता फिरोज, सोनी, निदा खातून, साबरीन खातून, सोमैया खातून, सुनदुस खान इरशाद अहमद, मोहम्मद जमा, उप-प्रधानाचार्य हैदर मंसूरी, मोहम्मद अशरफ, विनोद चौहान, विजय कुमार, प्रियांशु पांडे सूरज कुमार, जेबा अख्तर, फरहत जुबेर, प्रतिभा बर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

हल्द्वानी में क्षेत्रीय उपनल कार्यालय भवन का कैबिनेट मंत्री ने किया लोकार्पण

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने हल्द्वानी में क्षेत्रीय उपनल कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि उपनल कार्यालय के द्वारा कुमाऊँ क्षेत्र के पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों तथा हमारी वीर नारियों एवं माताओं को अपने निकट ही उपनल से संबंधित समस्त सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह निश्चित ही उनके जीवन को सुगम बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। उपनल कार्मिकों के लिए ₹50 लाख का बीमा कवर हो, हमारे वीरों के लिए विदेशों में रोजगार के नए रास्ते खोलना हो या प्रदेश के पंचमधाम 'सैन्य धाम' का निर्माण, हमारी सरकार का हर निर्णय सैनिकों के त्याग व समर्पण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक विनम्र प्रयास है।

एम एन पब्लिक स्कूल में देशभक्ति के रंग में रंगा स्वतंत्रता दिवस समारोह

नन्हे-मुन्नों की शानदार प्रस्तुतियों ने बांधा समां, तालियों से गूंज उठा विद्यालय परिसर

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विकास क्षेत्र सेमरियावां के एमएन पब्लिक स्कूल सोनौरा गौसी में शनिवार को देशभक्ति और उत्साह से सराबोर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में तिरंगा शान से लहराया तो पूरा माहौल राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग गया। प्रबंधक जुबेर अहमद के नेतृत्व में ध्वजारोहण किया गया, जिसके बाद शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रध्वज को सलामी दी। समारोह का मुख्य आकर्षण छात्र-छात्राओं की शानदार देशभक्ति एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं। आत्मविश्वास से लबरेज बच्चों ने गीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, एकता और देशप्रेम की मनमोहक तस्वीर पेश की। बच्चों की बेहतरीन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। विद्यालय के प्रबंधक जुबेर अहमद ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए गौरव और आत्ममंथन दोनों का अवसर है। देश को आजादी दिलाने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने त्याग और बलिदान से हमें स्वतंत्र भारत का सपना साकार करके दिया। आज हमारी जिम्मेदारी है कि हम देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं। उन्हें केवल किताबी ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके अंदर अनुशासन, संस्कार, ईमानदारी, आत्मविश्वास और राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि विद्यालय बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार और प्रतिभा को निखारने का बेहतर मंच उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि आज जिस आत्मविश्वास के साथ बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, वह विद्यालय परिवार के लिए गर्व की बात है। एमडी शोएब अहमद ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों का भी एहसास कराता है। आज के विद्यार्थी ही कल देश की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसलिए शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करना नहीं, बल्कि बच्चों को जिम्मेदार, संवेदनशील और बेहतर नागरिक बनाना भी है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास, रचनात्मकता, व्यक्तित्व विकास और सांस्कृतिक प्रतिभा को निखारने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को मंच प्रदान करने के साथ ही उनमें नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करते हैं। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस समारोह में छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों की जमकर सराहना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य इसरार अहमद ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समारोह को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का संचालन अय्यूब खान एवं अफकार अहमद ने किया। समारोह में हाजी शब्बीर अहमद समाजसेवी, मौलाना अब्दुल हादी, सईद अहमद, सालिम हासमी, फरीदुज्जमा, शहबाज अहमद, खालिद हुसैन, दीपेंद्र पांडेय, रामफूल, सैफ, मीना मौर्या, आसिया खातून, इरम खातून, जैनब खातून, अनम खातून, सीमा खानम, हुमैरा, सुमैय्या खातून, पूजा, अनीता मिश्रा सहित विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, अभिभावक एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

क्षेत्राधिकारी ने किया पुलिस लाइन का त्रैमासिक निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन में क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय ने पुलिस लाइन का त्रैमासिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी ने पुलिस लाइन परिसर, बैरक, मेस, शस्त्रागार, कार्यालयों, वाहन शाखा सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव, शस्त्र एवं वाहनों की स्थिति तथा पुलिस लाइन में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

क्षेत्राधिकारी ने पुलिसकर्मियों को परिसर में स्वच्छता, अनुशासन एवं बेहतर कार्य-व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही पुलिसकर्मियों की मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेते हुए उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी/कर्मचारियों को पुलिस लाइन की व्यवस्थाओं को और अधिक सुव्यवस्थित, स्वच्छ एवं प्रभावी बनाए रखने तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिसकर्मियों के कल्याण, बेहतर कार्य-परिस्थितियों एवं अनुशासित पुलिस व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए पुलिस लाइन की व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा एवं निरीक्षण की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह पर बागेश्वर में गूंजा राष्ट्रप्रेम का संदेश

जिलाधिकारी ने किया ध्वजारोहण; शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों को नमन, मेधावी विद्यार्थियों एवं उत्कृष्ट कार्य करने वालों का हुआ सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। जनपद बागेश्वर में देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास, उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में ध्वजारोहण किया गया तथा देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। नौ बजे कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने ध्वजारोहण कर जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों के त्याग और बलिदान से हमें जो स्वतंत्रता प्राप्त हुई है, उसकी सार्थकता तभी है जब हम अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि देश एवं जनहित में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना ही स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। वही पुलिस लाइन में भव्य परेड का आयोजन हुआ,जिसमें पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा ने ध्वजारोहण किया।और सभी पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों और पुलिस परिवार के सदस्यों को बधाईया दी। इस दौरान एसपी ने विशिष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी कर्मचारियों को सम्मानित किया। साथ ही जिलेभर के विभिन्न विद्यालयों में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ भव्यता से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। जिला मुख्यालयमें नुमाइशखेत मैदान में आयोजित मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह में जिलाधिकारी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्रता अनगिनत वीरों के संघर्ष, त्याग और बलिदान का परिणाम है। आज का भारत उन सभी वीर स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों का ऋणी है, जिन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन से अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी, निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करते हुए राष्ट्र एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। मुख्य समारोह में नगर के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा सांस्कृतिक दलों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों ने देश की एकता, अखंडता, विविधता एवं स्वतंत्रता के गौरव को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजन भगवती देवी, लोकतंत्र सेनानी बसंत बल्लभ पांडे तथा उत्तराखंड बोर्ड की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं गीतिका पंत, खुशी काण्डपाल, दिशा काण्डपाल, रोहित मेहता, विवेक, अनिशा, योगेश, लोकेश, नैन्सी, तमन्ना, साक्षी एवं रविकांत को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।इस दौरान सूचना विभाग के सहायक सूचना अधिकारी बृज मोहन नेगी, दीप भट्ट, सुनील कुमार सहित अन्य विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को जिलाधिकारी ने सम्मानित किया। इससे पूर्व विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा नगर में प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारों एवं गीतों के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस का संदेश दिया और लोगों में राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति की भावना का संचार किया। जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, विधायक पार्वती दास एवं नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल ने भी जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा, मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार, उप जिलाधिकारी प्रियंका रानी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

ग्रामीण अंचल में मना आजादी का जश्न, लहराया गया तिरंगा

वेलकम इंडिया/संदीप तिवारी

मिजार्मुराद। ग्रामीण अंचल में शनिवार को आजादी का जश्न स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। ध्वजारोहण के बाद संगोष्ठी आयोजित हुई। मिजार्मुराद स्थित काशी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (केआईटी) में डा.आशुतोष मिश्र व डा.ए.के.यादव, गौर गांव स्थित स्व.वंशनारायण सिंह महिला महाविद्यालय में प्रबंधक संजीव सिंह गौतम, मिजार्मुराद स्थित बीबीएल (बिन्दो ब्यूटी लाउंज) प्रतिष्ठान पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के मंडल उपाध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार शैलेन्द्र सिंह 'पिन्टू' व सेवानिवृत्त फौजी प्रदीप सिंह, मिजार्मुराद धर्मशाला पर व्यापार मंडल अध्यक्ष उपेंद्र प्रताप सिंह 'पिन्टू', लोकसमिति आश्रम में नंदलाल मास्टर ने ध्वजारोहण किया। मिजार्मुराद में युवांओ की टीम ने म्यूजिक सिस्टम संग बाइक पर सवार होकर विशाल तिरंगा यात्रा निकाली। तत्काल उसके रहने और भोजन की

सड़कों पर भटकती गाय को मिला घर, जिला पंचायत अध्यक्ष ने पेश की इंसानियत की मिसाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। जिले में सड़कों, बाजारों और खेतों में बेसहारा गोवंश का घूमना लंबे समय से गंभीर समस्या बना हुआ है। जगह-जगह गौशालाएं संचालित होने के बावजूद बड़ी संख्या में गोवंश सड़कों पर दिखाई देता है। इससे जहां सड़क हादसों का खतरा बना रहता है, वहीं किसानों की फसलों को भी नुकसान पहुंचता है। ऐसे में जिला पंचायत अध्यक्ष ने बेसहारा गाय को अपने आवास पर आश्रय देकर गोवंश संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता की मिसाल पेश की है। बताया गया कि दो दिन पूर्व एक बेसहारा गाय भटकते हुए पीलीभीत स्थित जिला पंचायत अध्यक्ष के आवास पर पहुंच गई। गाय की हालत देखकर उसे बाहर छोड़ने के बजाय जिला पंचायत अध्यक्ष ने क्षेत्र के गांव कुंवरपुर स्थित अपनी व्यवस्था कराई। पशु चिकित्सा अधिकारी को सूचना देकर गाय का उपचार भी कराया गया। सुरक्षित माहौल और उचित देखभाल के बीच गाय ने आवास परिसर में ही एक बछड़े को जन्म दिया। इससे परिवार में खुशी का माहौल बन गया।

इसके बाद जिला पंचायत अध्यक्ष और उनके पति भाजपा नेता डॉ. गुरभाग सिंह ने गाय और उसके नवजात बछड़े को पूरनपुर तहसील डेयरी पर पहुंचाया। यहां पहले से भी पशुओं की देखभाल की जाती है। गाय और बछड़े के लिए चारे, पानी और सुरक्षित रहने की समुचित व्यवस्था की गई है। डॉ. गुरभाग सिंह ने कहा कि गोवंश की सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति और जनप्रतिनिधि का भी दायित्व है। पशुपालकों को अपने गोवंश को सड़कों पर बेसहारा छोड़ने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सक्षम लोग आगे आकर बेसहारा गोवंश को गोद लें और उसके पालन-पोषण की जिम्मेदारी निभाएं।उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को स्वयं पहल कर समाज के सामने उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। यह पहल किसी राजनीतिक प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय जिम्मेदारी की भावना से की गई है।जिला पंचायत अध्यक्ष की इस पहल से गोवंश संरक्षण को लेकर जिम्मेदारी का संदेश सामने आया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और सक्षम नागरिकों की ओर से इसी तरह पहल की जाए तो सड़कों पर बेसहारा घूमने वाले गोवंश की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है। साथ ही पशुओं को सुरक्षित आश्रय मिलने के साथ सड़क हादसों और फसलों के नुकसान की घटनाओं पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

स्वतंत्रता दिवस पर्व पर माई तेरे लिए हम जिएंगे गीत गाकर अथर्व ने बटोरी तालिया

बच्चों ने किए सांस्कृतिक कार्यक्रम, शिक्षकों ने बांटी मिठाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

कलीनगर/पीलीभीत। कलीनगर बार्ड 2 में स्थित आदर्श बाल विद्यालय में शिक्षकों और छात्रों ने तिरंगा यात्रा निकालकर स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। स्कूली बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर नगर की गलियों में घूमकर देश भक्ति ने नारे लगाए। शिक्षकों ने बच्चों को आजादी के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्र अथर्व ने माई तेरे लिए हम जिएंगे देश भक्ति का गाना गाकर समां बांध दी। प्रबंधक गंगाराम शर्मा ने बताया 15 अगस्त से पहले हमारा देश अंग्रेजों की गुलामी में में कैद था देश के वीर शहीदों ने अपने प्राणों की कुबार्नी देकर हमारा देश को आजाद कराया इस पर 15 अगस्त सन 1947 में देश में पहला स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए। अच्छा प्रदर्शन करने वाले सभी बच्चों को शिक्षकों ने उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी को मिष्ठान भी वितरित किया गया। एमडी पूर्णेन्द्र शर्मा एडवोकेट ने छात्रों का हौसला बर्धन कर सम्मानित किया।

वंदे मातरम वाटिका अभियान के तहत वन विभाग ने दूसरे दिन भी किया पौधरोपण

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्र में हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वन विभाग की ओर से चलाए जा रहे वंदे मातरम वाटिका अभियान के तहत दूसरे दिन भी पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।नेशनल हाईवे के समीप आयोजित अभियान में वन विभाग के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। इस दौरान लगाए गए पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया गया।पौधरोपण अभियान के दौरान वन विभाग की टीम ने लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने कहा कि केवल पौधे लगा देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा करना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखरेख करने की अपील की। रेंजर कपील ने कहा कि लगातार बढ़ता प्रदूषण और पर्यावरण असंतुलन चिंता का विषय है। ऐसे में पेड़-पौधों की संख्या बढ़ाना बेहद जरूरी है। वृक्ष वातावरण को शुद्ध रखने के साथ-साथ गर्मी कम करने, मिट्टी का कटाव रोकने और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा भविष्य में कई लोगों को स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण देने का आधार बन सकता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति पौधरोपण को अपनी जिम्मेदारी समझे और लगाए गए पौधे के बड़े होने तक उसकी देखभाल करे। वन विभाग की ओर से भी क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करने के लिए अभियान आगे लगातार जारी रखा जाएगा। वंदे मातरम वाटिका अभियान के दूसरे दिन हुए पौधरोपण से हाईवे के आसपास हरियाली बढ़ाने की दिशा में एक और कदम उठाया गया।

कटान रोकने के लिए बंबू क्रेट लगाने का काम शुरू

पूरनपुर। शारदा नदी में जलस्तर बढ़ने के बाद हजारा के समीप कटान की गति धीमी रही। कटान रोकने के लिए बाढ़ खंड की ओर से बंबू क्रेट लगाने का काम शुरू कर दिया गया। रास्तों पर दलदल होने से लोगों को आवागमन में असुविधा हो रही है। शुक्रवार को राजस्व टीम और ग्राम प्रधान ने मौके पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी की। शारदा नदी के जलस्तर में उतार-चढ़ाव को लेकर नदी पिछले कई दिनों से गांव हजारा के समीप कटान कर रही है। कटान में 19 किसानों के खेतों में खड़ी गन्ना की फसल नदी में समा चुकी है। पिछले साल भी छह किसानों की कई एकड़ जमीन फसल सहित नदी में समा गई थी। पिछले साल के कटान पीड़ितों को अब तक मुआवजा नहीं मिला। कटान रोकने के लिए बाढ़ खंड ओर से बंबू क्रेट लगाने को ढांचा बनवाए गए, लेकिन कुछ किसानों के खेत से मिट्टी देने से इन्कार करने पर बचाव कार्य बृहस्पतिवार को शुरू नहीं हो सका था।

मेहनत का मिला सम्मान: पीलीभीत के टॉपर छात्रों को अखिलेश यादव ने दिए लैपटॉप

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पीलीभीत जिले के हाईस्कूल के मेधावी टॉपर छात्रों को लैपटॉप वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। शनिवार, 15 अगस्त 2026 को लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान पीलीभीत के हाईस्कूल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अखिलेश यादव ने लैपटॉप प्रदान किए। सम्मान पाने वाले मेधावी छात्रों में प्रांजल मौर्य ने 94.33 प्रतिशत, यश प्रजापति ने 94.33 प्रतिशत, सृष्टि कश्यप ने 94.02 प्रतिशत तथा वफी फातिमा ने 89.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। मेधावी छात्रों को लैपटॉप मिलने से उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। छात्रों और उनके अभिभावकों ने इस सम्मान के लिए समाजवादी पार्टी नेतृत्व का आभार जताया।इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजपाल कश्यप तथा समाजवादी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मेधावी छात्रों के माता-पिता भी मंच पर उपस्थित रहे और उन्होंने अपने बच्चों की उपलब्धि पर खुशी जताई। लैपटॉप वितरण कार्यक्रम में पीलीभीत से छात्रों को लखनऊ ले जाने और कार्यक्रम में सहभागिता कराने में सतेन्द्र मौर्य, प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग समाजवादी पार्टी का सहयोग रहा। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समाजवादी पार्टी की ओर से मेधावी छात्रों को लैपटॉप वितरित किए जाने को शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की पहल के रूप में देखा जा रहा है। छात्रों ने कहा कि लैपटॉप उनकी पढ़ाई में उपयोगी साबित होगा और उन्हें डिजिटल शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

धूमधाम से मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस, महिला महाविद्यालय व अन्य संस्थानों में हर्सोल्लास के साथ फहराया गया तिरंगा

वेलकम इंडिया/संदीप तिवारी

मिजार्मुराद। क्षेत्र के मेंहदीगंज गांव स्थित भाजपा जिलाध्यक्ष के कैंप कार्यालय पर जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं एवं ग्रामीणों के मौजूदगी में जिलाध्यक्ष द्वारा झंडा फहराया गया। इसी तरह गौर गांव (मिजार्मुराद) स्थित स्व. वंशनारायण सिंह महिला महाविद्यालय में गुरुवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस पर महाविद्यालय के प्रबंधक व भाजपा नेता संजीव सिंह गौतम द्वारा झंडा फहराया गया। वही प्रबंधक द्वारा क्षेत्र के गांव से आए हुए छोटे छोटे बच्चों में मिठाई वितरण किया गया। महाविद्यालय की छात्राओं ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देश भक्ति गीतों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश की। वही मेंहदीगंज स्थित पी.एस पब्लिक स्कूल में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल द्वारा स्कूल परिसर में झंडा फहराया गया। स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। गौर गांव (मिजार्मुराद) स्थित सत्यनारायण सिंह नेशनल स्कूल में चेयरमैन उपेन्द्र सिंह गौतम व प्रबंधक प्रवीण सिंह गौतम द्वारा झंडा फहराया गया। गौर गांव स्थित पंचायत भवन पर ग्राम प्रधान विजय कुमार गुप्ता, गौर गांव स्थित जीवा इंटर नेशनल स्कूल में प्रबंधक विनोद तिवारी द्वारा, खजुरी स्थित सूर्यांश हॉस्पिटल में निदेशक डॉ. सौरभ सिंह द्वारा, चित्रसेनपुर स्थित अमरावती देवी इंटरमीडिएट कालेज में प्रधानाचार्य संदीप सिंह द्वारा, ठठरा गांव स्थित पंचायत भवन पर ग्राम प्रधान सुनील कुमार बिन्द द्वारा झंडा फहराया गया। वही नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। महाविद्यालय पर प्राचार्या डॉ. संगीता सिंह, सचिव योगेश सिंह, डॉ. आशुतोष उपाध्याय, प्रशासनिक अधिकारी अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', डॉ. अंजना सिंह, मुकेश यादव, अंजली जायसवाल, अमृता सिंह, गौरव उपाध्याय, स्नेहा मिश्रा, राजेश सिंह, रामजी यादव, वीरेंद्र विश्वकर्मा, राकेश यादव, दिनेश समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

बच्चे न होने पर विवाहिता से मारपीट, अतिरिक्त दहेज में बुलेट की मांग

पूरनपुर/पीलीभीत। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कढेरचौरा में बच्चे न होने और अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। विवाहिता ने पति और सास पर आए दिन मारपीट करने, गाली-गलौज करने तथा मायके से बुलेट मोटरसाइकिल लाने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम कढेरचौरा निवासी शिल्पी देवी ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसकी शादी करीब पांच वर्ष पूर्व गांव के ही राजन पुत्र ईश्वरी प्रसाद के साथ हुई थी। विवाह के बाद से ही पति और ससुराल पक्ष के लोग उसे परेशान करने लगे। विवाहिता के अनुसार, शादी के कई वर्ष बीतने के बावजूद बच्चे न होने को लेकर पति उसे ताने देता था और आए दिन गाली-गलौज करते हुए मारपीट करता था। साथ ही मायके से बुलेट मोटरसाइकिल लाने के लिए उस पर दबाव बनाया जाता था।पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसकी सास नन्हीं देवी भी पति को उसके खिलाफ भड़काती थी। आरोप है कि 24 जुलाई को पति और सास ने उसे कमरे में बंद कर दिया और बेरहमी से मारपीट की।

राजस्व चौकी में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। ग्राम श्रीनगर स्थित राजस्व चौकी परिसर में देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर राजस्व कर्मियों, ग्राम प्रधानों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की मौजूदगी में गरिमापूर्ण ढंग से ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद सभी ने राष्ट्रगान गाकर देश के प्रति अपनी निष्ठा और सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में राजस्व विभाग के लेखपाल आशीष निषाद, श्याम मौर्य और प्रद्युम्न पांडे के साथ श्रीनगर के ग्राम प्रधान राधेश्याम राव दिनकर, राणा प्रताप नगर की ग्राम प्रधान रमावती देवी, परमजीत सिंह पम्मा, बोग सिंह, नन्दू सैनी, रवि, दिनेश, आनंद, रंजन सहित चौकी सहायक धर्मेंद्र और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।ध्वजारोहण के उपरांत उपस्थित लोगों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। वक्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों के संघर्ष और त्याग को याद करते हुए कहा कि आजादी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि देश के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने की प्रेरणा है। उन्होंने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को मजबूत बनाए रखने का संकल्प भी दिलाया।कार्यक्रम में ग्राम प्रधानों और राजस्व कर्मियों ने ग्रामीणों से आपसी भाईचारा एवं सद्भाव बनाए रखने की अपील की। साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचाने और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर दिया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान श्रीनगर सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा, संभ्रांत नागरिक और गणमान्य लोग पहुंचे। पूरे परिसर में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। ध्वजारोहण के बाद उपस्थित लोगों के बीच मिष्ठान वितरित किया गया और सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम ने ग्रामीणों में राष्ट्रप्रेम और सामाजिक एकता की भावना को और मजबूत किया।

बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन, मिसेज एशिया विजयता सच्चदेवा ने कहा कि बच्चे हैं हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। आस्था फाउंडेशन में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में वाराणसी की मिसेज एशिया विजयता सच्चदेवा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। इसके बाद राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। तिरंगे की शान में उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और देश की स्वतंत्रता के प्रति अपने सम्मान एवं संकल्प को दोहराया। समारोह में आस्था फाउंडेशन के बच्चों ने देशभक्ति गीत, नृत्य एवं विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। बच्चों की प्रतिभा और उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रस्तुतियों की जमकर सराहना की।

इस अवसर पर मिसेज एशिया विजयता सच्चदेवा ने कहा कि आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। मुख्य अतिथि मिसेज एशिया विजयता सच्चदेवा ने बच्चों का स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि उन वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने का अवसर है, जिनके त्याग और बलिदान से हमें आजादी मिली। हमारे बच्चे देश का भविष्य हैं। उनमें शिक्षा के साथ-साथ देशप्रेम, संस्कार, आत्मविश्वास और मानवता की भावना विकसित करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि आस्था फाउंडेशन के बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों ने उन्हें बेहद प्रभावित किया। उन्होंने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण एवं जरूरतमंद बच्चों की प्रतिभा को मंच देना और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण कार्य है।

संस्था की डायरेक्टर सोमा ने सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य बच्चों को बेहतर शिक्षा, संस्कार और अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण अभिभावक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। अभिभावकों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए आस्था फाउंडेशन द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

विजयता सच्चदेवा ने बताया कि इस स्वतंत्रता दिवस पर हम केवल तिरंगा फहराने तक सीमित न रहें, बल्कि अपने भीतर देश के प्रति जिम्मेदारी, प्रेम और सम्मान की भावना को भी मजबूत करें। हमारे बच्चे भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। उन्हें शिक्षा, संस्कार और सही दिशा देकर हम एक सशक्त, शिक्षित और संवेदनशील भारत का निर्माण कर सकते हैं। देश की एकता और अखंडता को बनाए रखना हम सभी का कर्तव्य है।

स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगे के रंग में रंगा बुलंदशहर मेडिकल कॉलेज

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर कल्याण सिंह राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध संयुक्त चिकित्सालय, बुलंदशहर में राष्ट्रभक्ति और उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ सामूहिक 'वंदे मातरम' के गायन के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने मुख्य अतिथि के रूप में तिरंगा ध्वज फहराया। इसके बाद राष्ट्रगान के सामूहिक गायन से पूरा परिसर देशभक्ति के रंग में सराबोर हो गया। ध्वजारोहण के उपरांत प्रधानाचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने उपस्थित संकाय सदस्यों, वरिष्ठ चिकित्सकों, जूनियर डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ एवं मेडिकल छात्रों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लिए असंख्य लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी। आजादी और संविधान की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कल्याण सिंह राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय का उद्देश्य समाज के हर वर्ग, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने भावी डॉक्टरों एवं चिकित्सा छात्रों से पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और ईमानदारी के साथ मानव सेवा करने का आह्वान किया। समारोह में एबबीबीएस 2024 एवं 2025 बैच के छात्र-छात्राओं तथा संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सक एवं महाविद्यालय के अधिकारी भी उपस्थित रहे। समारोह के समापन पर उपस्थित लोगों के बीच मिष्ठान वितरण किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम का माहौल बना रहा।

शास्त्री नगर पार्क में बिल्डर्स एंड कंट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वाराणसी बिल्डर्स एंड कंट्रैक्टर्स एसोसिएशन की ओर से सिगरा स्थित शास्त्री नगर पार्क में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय शंकर यादव ने तिरंगा फहराया। इस दौरान बड़ी संख्या में जिले के ठेकेदार एवं एसोसिएशन के सदस्य मौजूद रहे। अध्यक्ष विजय शंकर यादव ने संगठन की भूमिका और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सदस्यों से संगठन के प्रति समर्पित और एकजुट रहने का आह्वान किया। महामंत्री संतोष राय ने कहा कि ठेकेदारों के हित में कई योजनाओं पर विचार चल रहा है। एसोसिएशन कार्यस्थल पर सदस्यों के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए भी प्रयास कर रहा है। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष जीडी गुप्ता, उपाध्यक्ष धर्मराज यादव, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मनोज कुमार यादव, मनोज कुमार भारती, अभय कुमार उपाध्याय, बृजेश कुमार चौहान, शिवम निर्मल, प्रमोद मौर्य, राम लवलीन सिंह, सुजीत सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रवक्ता भुनेश्वर द्विवेदी ने किया।

रीबॉर्न ट्रस्ट के प्रथम स्थापना दिवस पर रक्तदान से दिया मानव सेवा का संदेश

स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित रक्तदान एवं जागरूकता अभियान में 20 लोगों ने किया रक्तदान, 28 लोगों ने कराया पंजीकरण

वेलकम इंडिया संवाददाता

चंदौली। स्वतंत्रता दिवस एवं रीबॉर्न ट्रस्ट के प्रथम स्थापना दिवस के अवसर पर रीबॉर्न ट्रस्ट की ओर से शुभकामना अकादमी, रवि नगर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर (मुगलसराय), चंदौली में रक्तदान एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक करना और जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान से जोड़ना रहा।

रीबॉर्न ट्रस्ट पिछले एक वर्ष से लगातार सामाजिक एवं जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इसी सेवा यात्रा के तहत आयोजित यह अभियान सामाजिक कार्यकर्ता एवं ट्रस्ट के फाउंडर-ट्रस्टी सतनाम सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित दसवां रक्तदान अभियान रहा। अभियान के दौरान करीब 28 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया, जबकि 20 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा में अपना योगदान दिया। रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक अभियान में भाग लिया और अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा सेवा कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है। इसी उद्देश्य से ट्रस्ट की ओर से रक्तदान के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान रीबॉर्न ट्रस्ट के फाउंडर एवं ट्रस्टी तथा सामाजिक कार्यकर्ता सतनाम सिंह ने उपस्थित लोगों को 80वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश की आजादी हमें केवल अधिकार ही नहीं देती, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की प्रेरणा भी देती है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया। सतनाम सिंह ने कहा कि समाजसेवा के लिए बड़े संसाधनों की नहीं, बल्कि सेवा की भावना और सकारात्मक सोच की आवश्यकता होती है। रक्तदान जैसी पहल समाज में मानवता और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करती है। उन्होंने रीबॉर्न ट्रस्ट की एक वर्ष की सेवा यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान ट्रस्ट की ओर से विभिन्न सामाजिक एवं जनसेवा के कार्य लगातार किए गए हैं। उन्होंने रक्तदाताओं, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी समर्पण और सेवाभाव के साथ सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। अभियान को सफल बनाने में रीबॉर्न ट्रस्ट के वॉलंटियर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वॉलंटियर्स ने रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने, रक्तदाताओं का पंजीकरण कराने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस मुहिम से जोड़ने में सक्रिय योगदान दिया। इस अवसर पर रीबॉर्न ट्रस्ट के वॉलंटियर्स विष्णु जैस, तनवीर अंसारी, अजहर अंसारी, आशुतोष सिंह, प्रिया जैस, नितेश जैस, श्रद्धा कुमारी, अमनदीप कौर, योगेंद्र देव सिंह, महिमा पाहवा, अफजल अंसारी सहित अन्य वॉलंटियर्स, सहयोगी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चोलापुर शहीद स्मारक पर 101 फीट तिरंगे की मांग, 30 सितंबर से आंदोलन की चेतावनी

15 सितंबर तक निर्णय नहीं हुआ तो चोलापुर में शुरू होगा शांतिपूर्ण जन आंदोलन, पूर्वांचल किसान संगठन ने रखीं पांच प्रमुख मांगें

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। चोलापुर के पांच शहीदों की स्मृति में शहीद स्मारक के निकट 101 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज स्थापित करने की मांग को लेकर पूर्वांचल किसान संगठन ने आंदोलन की चेतावनी दी है। रविवार को कचहरी स्थित शाही दरबार रेस्टोरेंट में आयोजित पत्रकार वार्ता में संगठन के अध्यक्ष अजीत सिंह डोभी ने कहा कि सरकार और जिला प्रशासन को 15 सितंबर तक सकारात्मक निर्णय लेने का समय दिया गया है। निर्धारित समय तक मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो 30 सितंबर से चोलापुर में शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। अजीत सिंह डोभी ने कहा कि देश की आजादी के लिए चोलापुर के पांच वीर शहीदों ने अपना बलिदान दिया था। ऐसे में शहीद स्मारक के निकट 101 फीट ऊंचा तिरंगा स्थापित करना शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि संगठन शहीदों के सम्मान से जुड़े इस विषय को लेकर लगातार प्रशासन के समक्ष अपनी मांग रख रहा है।

'उन्होंने राजस्व विभाग की रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि शहीद स्मारक वाली भूमि चोलापुर थाने की होने के कारण वहां 101 फीट ऊंचा ध्वज लगाने में तकनीकी या प्रशासनिक बाधा बताई जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि मौजूदा स्थान पर ध्वज स्थापित करना संभव नहीं है तो प्रशासन को शहीद स्मारक के आसपास वैकल्पिक भूमि उपलब्ध कराकर 101 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज की स्थापना की व्यवस्था करनी चाहिए। पूर्वांचल किसान संगठन ने शहीदों के सम्मान को लेकर पांच प्रमुख मांगें प्रशासन के सामने रखी हैं। इनमें शहीद स्मारक के निकट 101 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज स्थापित करना, 17 अगस्त शहीदी दिवस पर पांचों शहीदों को राजकीय सम्मान एवं सलामी देना, शहीदों के नाम पर संग्रहालय का निर्माण, गोला-कटारी से चोलापुर तक करीब चार किलोमीटर मार्ग को 'शहीद पथ' घोषित करना तथा पांचों शहीदों के नाम राजकीय भूमि अभिलेखों में दर्ज करना शामिल है। अजीत सिंह डोभी ने कहा कि संगठन सरकार से टकराव नहीं चाहता, बल्कि शहीदों को उचित सम्मान दिलाना चाहता है। उन्होंने कहा कि जिन वीरों ने देश की आजादी के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया, उनकी स्मृति को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि 15 सितंबर तक सरकार एवं जिला प्रशासन की ओर से ठोस कार्रवाई का इंतजार किया जाएगा। यदि इस अवधि में मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 30 सितंबर से चोलापुर की धरती पर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। संगठन ने स्पष्ट किया कि आंदोलन का उद्देश्य शहीदों के सम्मान और

बहुजन समाज पार्टी के कार्यालय पर ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को किया याद

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बहुजन समाज पार्टी के बुलंदशहर स्थित कार्यालय पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्रगान के साथ देश के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना व्यक्त की। कार्यक्रम में मेरठ मंडल कोऑर्डिनेटर देवेंद्र भारती, कमल राजन, जिला अध्यक्ष रविंद्र कुमार प्रधान, बुलंदशहर प्रभारी प्यारेलाल यादव, सत्यदेव गौतम, हरवीर सिंह, सतीश कुमार, सुरेश चंद, योगेंद्र मास्टर, राहुल राव, रामवीर सिंह, राकेश कुमार, डॉ. राहुल कुमार, सुरेश चंद्र, बिजेंद्र सिंह एवं श्रीमती रेखा रानी सहित बड़ी संख्या में बसपा कार्यकताओं ने भाग लिया। ध्वजारोहण के बाद उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद किया। वक्ताओं ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए वीर सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया, उनके त्याग और संघर्ष को देशवासी हमेशा याद रखेंगे। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्र की एकता, अखंडता और संविधान के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए देशहित में कार्य करने का संकल्प भी लिया गया।

सिकंदराबाद के एम.एस. इंटर कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिकंदराबाद। एम.एस. इंटर कॉलेज, सिकंदराबाद (बुलंदशहर) में 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राममोहन वशिष्ठ ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा सीनियर और जूनियर डिवीजन के एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य एवं भाषण के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना साफ दिखाई दी। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय की ओर से सभी उपस्थित लोगों को जलपान वितरित किया गया। वहीं, विद्यालय के सहायक एनसीसी अधिकारी मेजर अतुल कुमार गौतम, सेकंड ऑफिसर प्रशान्त भारद्वाज एवं हवलदार सतीश ने 40 उत्तर प्रदेश एनसीसी बटालियन, ग्रेटर नोएडा के कमान अधिकारी कर्नल रविन्द्र खत्री के निदेर्शानुसार एनसीसी कैडेट्स को रिफ्रेशमेंट वितरित किया। स्वतंत्रता दिवस समारोह ने विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को और मजबूत किया।

बेहतर पुलिसिंग के लिए सिगरा थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा सम्मानित

अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर किया सम्मान, अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा के प्रयासों की सराहना

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर साधना सनातन दल एवं हिंदू युवा वाहिनी वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में सिगरा थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा को उनके उत्कृष्ट पुलिसिंग कार्यों एवं समाजहित में किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर उनके कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर साधना सनातन दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सौरभ मौर्य ने कहा कि शिवाकांत मिश्रा के नेतृत्व में सिगरा थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपराधियों और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई से क्षेत्र में कानून का भय और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। डॉ. सौरभ मौर्य ने कहा कि शिवाकांत मिश्रा के सिगरा थाने की कमान संभालने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर आम लोगों का विश्वास मजबूत हुआ है। लोगों में यह भरोसा बढ़ा है कि कानून तोड़ने वालों के खिलाफ पुलिस प्रभावी कार्रवाई करेगी और अपराध के मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि मजबूत एवं जनहितकारी पुलिसिंग व्यवस्था अपराधियों में कानून का भय पैदा करने के साथ ही आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि समाज में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। पुलिस अधिकारियों द्वारा निष्पक्षता, तत्परता और जिम्मेदारी के साथ किए गए कार्यों से जनता का विश्वास और मजबूत होता है।

हिंदू युवा वाहिनी के वाराणसी जिलाध्यक्ष समर बहादुर सिंह ने कहा कि शिवाकांत मिश्रा ने अपने कार्यों के माध्यम से बेहतर पुलिसिंग की प्रेरणादायी मिसाल प्रस्तुत की है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के साथ-साथ क्षेत्र में सुरक्षित वातावरण तैयार करना पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, जिसे शिवाकांत मिश्रा गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ निभा रहे हैं। समर बहादुर सिंह ने कहा कि पुलिस अधिकारियों की सक्रियता से न केवल अपराध पर नियंत्रण पाने में मदद मिलती है, बल्कि आम नागरिकों के मन में भी सुरक्षा की भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल राष्ट्रीय गौरव का पर्व नहीं, बल्कि समाज को सुरक्षित, भयमुक्त और कानूनसम्मत बनाने के संकल्प का अवसर भी है।

उन्होंने कहा कि ऐसे पुलिस अधिकारियों का सम्मान समाज की ओर से उनके कर्तव्य, समर्पण और जनसेवा के प्रति सम्मान व्यक्त करने का प्रयास है। पुलिस और समाज के बीच सहयोग की भावना को मजबूत करने से कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान साधना सनातन दल एवं हिंदू युवा वाहिनी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर जनसेवा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर रोशन जायसवाल, दीपक गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसआरएमआईएसटी में देशभक्ति के उत्साह के साथ 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एस आर एम आई एस टी), दिल्ली-एनसीआर परिसर, गाजियाबाद में शनिवार, 15 अगस्त 2026 को भारत का 80वाँ स्वतंत्रता दिवस अत्यंत उत्साह, गरिमा और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि के आगमन पर गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुआ। इसके पश्चात औपचारिक परेड आयोजित की गई। प्रातः 10:20 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा ध्वज सलामी और राष्ट्रगान के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इसके बाद सभी विशिष्ट अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने ईश्वरी ऑडिटोरियम की ओर प्रस्थान किया। वहाँ वंदे मातरम की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ा तथा विशिष्ट अतिथियों का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। एसआरएमआईएसटी दिल्ली-एनसीआर परिसर के डीन, डॉ. आर.पी. महापात्रा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी विशिष्ट अतिथियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं। इसके पश्चात 'इंडिया 2047: द रिपब्लिक वी चूज टू बिल्ड' विषय पर एसआरएमआईएसटी दिल्ली-एनसीआर परिसर के निदेशक, डॉ. एस. विश्वनाथन ने संबोधित किया। उन्होंने वर्ष 2047 तक भारत की विकास यात्रा, राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका तथा एक सशक्त, प्रगतिशील और विकसित भारत के निर्माण के लिए सामूहिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। स्वतंत्रता दिवस के विशेष संबोधन में दक्षिणी इलिनॉय विश्वविद्यालय एडवर्ड्सविल, इलिनॉय, अमेरिका के डीन एवं प्रोफेसर ऑफ मैनेजमेंट, प्रो. मारियो हायेक, मुख्य अतिथि, ब्रिगेडियर आलोक जैन, डायरेक्टरेट ऑफ इंडिजेनाइजेशन, इंटीग्रेटेड हेडक्वार्टर्स ऑफ द मिनिस्ट्री ऑफ डिफेन्स (आर्मी) ने भारत की स्वतंत्रता के महत्व तथा शिक्षा, नेतृत्व और वैश्विक सहयोग के मूल्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। समारोह को विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने और अधिक जीवंत बना दिया। इसके पश्चात योग प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया, जिसमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. पल्लवी जैन, हेड इन स्टूडेंट वेलफेयर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने समारोह को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी विशिष्ट अतिथियों, प्रबंधन, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मोदी कॉलेज में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डा के एन मोदी साइंस एण्ड कॉमर्स कॉलेज में 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया । इस अवसर पर सुबह के सत्र में प्रभात फेरी का आयोजन किया जो विद्यालय से चलकर बस स्टैंड ,भगवान गंज मंडी, रेलवे रोड, मोदी मंदिर, तरंग रोड, गुरुद्वारा रोड , आनन्दीपूरा, आदर्श नगर से होती हुई विद्यालय पर संपन्न हुई।

इसके उपरान्त विद्यालय मे ध्वजारोहण किया तथा सभी ने तिरंगे को सलामी दी। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्य डा सतीश चंद अग्रवाल ने सभी छात्रों एवं एन सी सी कैडिटस ,स्काउटस एवं देशवासियों को 80वे स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें दी तथा सभी को अपने कर्तव्यों का पालन करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रमुख समाजसेवी एवं उद्यमी डॉ मुकेश गर्ग उपस्थित रहे।

कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर ने सभी से अपने राष्ट्र को एक मजबूत और स्वावलंबी राष्ट्र बनाने के लिए सहयोग करने की अपील की। वरिष्ठ प्रवक्ता टी पी सिंह ने कहा कि यह आजादी हमें बहुत लंबे संघर्ष के बाद मिली है हमें इसे बनाए रखना है। वरिष्ठ शिक्षक आर के सिंह ,तेजवीर , इरशाद ने भी अपने विचार रखे।सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन महानंद सिंह ने किया।

प्रभात फेरी के दौरान विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक टी पी सिंह, लै० राजीव कुमार, शारीरिक शिक्षक राजीव सिंह, गौरव त्यागी, अनिल यादव, नरेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, के साथ साथ विद्यालय के समस्त स्टाफ का सहयोग रहा।

स्वतंत्रता दिवस पर नगर में धूमधाम के साथ निकाली गई तिरंगा यात्रा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर नगर में धूमधाम के साथ तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमें हजारों की संख्याओं में क्षेत्र के लोगों ने भाग लेकर तिरंगे के सम्मान में अपनी आवाज बुलंद की। तिरंगा यात्रा शाम को मोदी मंदिर से प्रारंभ हुई और मुख्य मार्ग होते हुए ढोल नगाडों के साथ गोविंदपुरी भगत सिंह चौक तक पहुंची। तिरंगा यात्रा का नगर में दर्जनों स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। तिरंगा यात्रा में सांसद डॉ राजकुमार सांगवान विधायक डॉ मंजू शिवाच नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली पूर्व पालिका अध्यक्ष राम आसरे शर्मा ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुचेता सिंह सत्येंद्र त्यागी अमित चौधरी भाजपा के नगर अध्यक्ष आकाश शर्मा मयंक शर्मा प्रदीप बॉस विजय चौधरी नरेश अमराला अशोक मुखिया अमित कराते देवेंद्र सिसोदिया मनीष अग्रवाल संजय शर्मा नवीन जायसवाल अरुण खन्ना कौशल वशिष्ठ कुणाल शर्मा अनिल जैन, रालोद के जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह चौधरी, महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष सुमन चौधरी कपिल चौधरी दिनेश चौधरी आदि लोग उपस्थित रहे।

एडवोकेट उदयभानु सिंह बने राष्ट्रीय लोकदल सहकारिता प्रकोष्ठ अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष

2027 विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन विस्तार पर जोर : अमरजीत सिंह बिड्डी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय लोकदल सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी के लखनऊ आगमन पर राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर पार्टी संगठन को मजबूत करने तथा आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण संगठनात्मक नियुक्ति की गई।

राष्ट्रीय लोकदल सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने पार्टी के जिम्मेदार साथियों की सलाह, केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह के निर्देश तथा उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राय सिंह की संस्तुति पर संगठन का विस्तार किया।

स क्रम में एडवोकेट उदयभानु सिंह को राष्ट्रीय लोकदल सहकारिता प्रकोष्ठ, अवध क्षेत्र का क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत सिंह बिड्डी ने नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष एडवोकेट उदयभानु सिंह को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष एडवोकेट उदयभानु सिंह ने राष्ट्रीय लोकदल के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है।

उन्होंने कहा कि ह्लपार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने मुझसे जो उम्मीद की है और मुझे जो जिम्मेदारी दी है, मैं उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करूंगा। लखनऊ जिलाध्यक्ष ने दिया संगठन को मजबूत करने का भरोसा-राष्ट्रीय लोकदल लखनऊ के जिलाध्यक्ष सत्य प्रकाश तिवारी ने नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष एडवोकेट उदयभानु सिंह को बधाई देते हुए कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ा है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष चौधरी राम सिंह पटेल, आलोक कुमार श्रीवास्तव, बृजेश कुमार मिश्रा, भूपेंद्र सिंह चौहान, जयविंद सिंह राठौड़, अमरेश पाल सिंह, श्रीमती रेखा वर्मा, श्रीमती प्रियंका पाल, एडवोकेट ज्ञान सागर अवस्थी, एडवोकेट कपिल तिवारी, एडवोकेट धर्मेंद्र कुमार सिंह, एडवोकेट सोम सिंह, एडवोकेट मनोज वर्मा, एडवोकेट रमेश प्रसाद अवस्थी, लखनऊ जिलाध्यक्ष सत्य प्रकाश तिवारी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षा इंटरनेशनल स्कूल में 80 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का भव्य आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शिक्षा इंटरनेशनल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति और उत्साह से ओत-प्रोत कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन श्री नीरज त्यागी के द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ।

तत्पश्चात राष्ट्रगान के साथ उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने राष्ट्र के प्रति सम्मान एवं देशभक्ति की भावना व्यक्त की। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के महत्व, राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों तथा एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने विद्यार्थियों से देश की प्रगति में अपना योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक ने सामाजिक एवं राष्ट्रीय सरोकार को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया और दर्शकों को महत्वपूर्ण संदेश दिया। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने तीन मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की सुंदर झलक प्रस्तुत की। समूह गायन प्रस्तुति ने भी कार्यक्रम में देशभक्ति का भाव भर दिया।

विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को देशभक्ति और उत्साह से भर दिया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष महोदय के द्वारा विद्यालय विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आयोजन में सहयोग देने वाले सदस्यों का आभार व्यक्त किया। समारोह ने विद्यार्थियों में राष्ट्र प्रेम, एकता, अनुशासन एवं जिम्मेदारी की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

स्वतंत्रता दिवस पर नगर पालिका परिषद में ध्वजारोहण, राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा पालिका परिसर

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर नगर पालिका परिषद, मोदीनगर परिसर में हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू शिवाच, नगर पालिका परिषद मोदीनगर के चेयरमैन विनोद वैशाली, सम्मानित सभासदगण, पालिका अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रध्वज फहराकर राष्ट्रगान के साथ देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें उन वीर सपूतों के त्याग, तपस्या और बलिदान की याद दिलाता है, जिनके संघर्ष के कारण आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। उन्होंने सभी से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देश की एकता, अखंडता और विकास में अपना योगदान देने का आह्वान किया। नगर पालिका परिषद के चेयरमैन विनोद वैशाली ने कहा कि स्वतंत्रता केवल हमारा अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि नगर के विकास, स्वच्छता और जनसेवा के कार्यों को और अधिक गति देना ही स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों के भारत के निर्माण की दिशा में सच्चा योगदान है। इस दौरान अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्र, सभासदगण, पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र के प्रति समर्पण, सेवा और जनकल्याण के संकल्प के साथ हुआ।

पैसिफिक मॉल के थिएटर में तीन घंटे गर्मी झेलते रहे दर्शक, प्रबंधन पर उठे सवाल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पैसिफिक मॉल स्थित सिनेमा हॉल में 'आवारापन 2' फिल्म देखने पहुंचे दर्शकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दर्शकों का आरोप है कि फिल्म के पूरे शो के दौरान थिएटर का एसी नहीं चला। भीषण गर्मी और उमस के बीच लोगों ने करीब तीन घंटे हॉल के अंदर बिताए। फिल्म समाप्त होने के बाद दर्शकों का सब्र जवाब दे गया और उन्होंने थिएटर से बाहर निकलकर व्यवस्था के खिलाफ जमकर विरोध जताया। एक युवक ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया। वीडियो में वह थिएटर के अंदर एसी नहीं चलने की शिकायत करता नजर आया। अन्य दर्शकों ने भी थिएटर प्रबंधन की व्यवस्था पर नाराजगी जताई। कुछ लोगों ने अपनी शिकायतों के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किए, जिसके बाद मामला तेजी से चर्चा में आ गया। दर्शकों का कहना है कि फिल्म देखने के लिए टिकट की पूरी कीमत चुकाने के बावजूद उन्हें बुनियादी सुविधा तक नहीं मिल सकी। उन्होंने थिएटर प्रबंधन से एसी व्यवस्था दुरुस्त कराने और भविष्य में ऐसी लापरवाही नहीं होने की मांग की। मामले में प्रबंधन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं पूर्व विधायक ने एमएलसी मोहित बेनीवाल का किया भव्य स्वागत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य एवं प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा श्री मोहित बेनीवाल के स्वागत के लिए क्षेत्र में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक प्रमुख श्री विपिन कुमार चौधरी एवं पूर्व विधायक श्री राजपाल सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर मोहित बेनीवाल के पहुंचने पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी एवं पूर्व विधायक राजपाल सिंह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला और पूरा क्षेत्र भाजपा के नारों से गूंज उठा। पूर्व विधायक राजपाल सिंह ने कहा कि मोहित बेनीवाल के नेतृत्व में संगठन को निरंतर मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं और आमजन का उत्साह भारतीय जनता पार्टी के प्रति उनके विश्वास और समर्थन को दर्शाता है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी ने कहा कि क्षेत्र की जनता ने जिस उत्साह और आत्मीयता के साथ मोहित बेनीवाल का स्वागत किया, वह संगठन के प्रति लोगों के विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकताओं एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। मोहित बेनीवाल ने भव्य स्वागत के लिए पूर्व विधायक राजपाल सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी तथा उपस्थित सभी कार्यकताओं एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जनसेवा और संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाबा परमिंदर सिंह शौरण, अध्यक्ष शौरण खाप, ने की।

आर के जी ग्लोबल स्कूल ने देशभक्ति के जोश और भव्यता के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आरकेजी ग्लोबल स्कूल गाजियाबाद ने 15 अगस्त 2026 को महान देशभक्ति के जोश, उत्साह और भव्यता के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया। स्कूल परिसर तिरंगे के रंगों से खूबसूरती से सजा हुआ था और देशभक्ति की भावना से गुंजायमान था। इस उत्सव ने राष्ट्र की स्वतंत्रता की यात्रा का जश्न मनाने और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को सम्मान देने के लिए स्कूल प्रबंधनए शिक्षकोंए छात्रों और अभिभावकों को एक साथ लाया।

कार्यक्रम की शुरूआत एक गर्मजोशी भरे स्वागत संदेश के साथ हुई। जिसमें विशिष्ट अतिथियों और पूरे स्कूल समुदाय का अभिनंदन किया गया। ध्वजारोहण समारोह चेयरपर्सन श्रीमती आँचल गोयल जी, निदेशक.प्राचार्य कैप्टन डॉ0 दिनीशा भारद्वाज सिंह तथा डायरेक्टर राकेश गोयल और डीन डॉ0 मनोरमा शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। जैसे ही राष्ट्रीय ध्वज गर्व से फहराया गयाए पूरा परिसर देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। इसके बाद राष्ट्रगान ने सभी को राष्ट्र के प्रति अत्यधिक गर्व और सम्मान की भावना से भर दिया।

इसके बाद एनसीसी कैडेट्स और स्कूली छात्रों ने एक प्रभावशाली मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने सभा को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। छात्रों को उस स्वतंत्रता का मूल्य समझने, मजबूत चरित्र विकसित करने अनुशासन बनाए रखने और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया जो राष्ट्र के विकास में सकारात्मक योगदान देते हैं।

कार्यक्रम का समापन एक भावपूर्ण धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि, स्कूल प्रबंधन, विशिष्ट अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों और छात्रों की बहुमूल्य उपस्थिति और योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया। छात्रों और अतिथियों के बीच मिठाइयाँ बाँटी गईं, जिससे उत्सव का आनंदमय समापन हुआ। पूरा परिसर देशभक्ति के उत्साह और गर्व से भरा रहा।

आरकेजी ग्लोबल स्कूल गाजियाबाद में स्वतंत्रता दिवस का यह उत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम से कहीं अधिक था। यह स्वतंत्रता, एकता, अनुशासन, प्रतिभा और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का एक सार्थक उत्सव था। छात्रों की उत्साही भागीदारी और स्कूल समुदाय के सामूहिक प्रयासों ने इस अवसर को वास्तव में स्मरणीय बना दिया।

सुरेविन इंटरनेशनल प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की प्रभात फेरी एवं रंगारंग कार्यक्रम आयोजन

'तिरंगा हमारी शान है, भारत हमारी पहचान है'

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल के प्राथमिक विद्यालय के नन्हे–मुन्ने विद्यार्थियों ने देशभक्ति, उत्साह एवं उमंग से ओत–प्रोत वातावरण में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रभात फेरी एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी के दौरान विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों एवं गीतों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशप्रेम का संदेश दिया। बच्चों का उत्साह और अनुशासन देखते ही बन रहा था। उनके ओजपूर्ण नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति की भावना से गूंज उठा। कार्यक्रम के अगले चरण में प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न देशभक्ति गीत, नृत्य, कविताएँ, भाषण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के बलिदान एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को जीवंत कर दिया। विद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के महत्व, राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों तथा देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में देशभक्ति, संस्कार, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय चेतना का विकास करना रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विद्यालय के प्रबंधन डॉक्टर शिखा दरबारी ,श्री तुषार गुप्ता द्वारा समस्त शिक्षक गणों एवं छात्रों को तिरंगा यात्रा पर राष्ट्रभक्ति के प्रति प्रेरित आयोजन पर बधाई दी ।

लंदन से लौटे श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज का भव्य स्वागत, दूधेश्वरनाथ मंदिर में किया रुद्राभिषेक

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लंदन में आयोजित तीन दिवसीय संत संसद के सफल आयोजन के बाद श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर एवं श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज रविवार को भारत लौटे।

नई दिल्ली एयरपोर्ट पर संतों, आचार्यों, वेद विद्यालय के विद्यार्थियों और श्रद्धालुओं ने ढोल-नगाड़ों, शंख-घड़ियाल व डमरू के नाद के बीच उनका भव्य स्वागत किया। संत संसद का आयोजन हजूर महाराज त्रिलोचन दास सचखंड नानक धाम लोनी और सिद्धाश्रम के संस्थापक राज राजेश्वर गुरुजी की ओर से किया गया था। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सनातन धर्म और संस्कृति का संदेश वैश्विक स्तर पर पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि लंदन में आयोजित संत संसद भारतीय संस्कार, संस्कृति और परंपराओं के पुनर्जागरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

दूधेश्वर मंदिर पहुंचने पर विधायक संजीव शर्मा सहित संतों, मंदिर समिति के सदस्यों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाराजश्री का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने भगवान दूधेश्वर की पूजा-अर्चना, अभिषेक और रुद्राभिषेक किया। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं के साथ विश्व शांति, प्रेम, अहिंसा, बंधुत्व और सर्वकल्याण की कामना की।

'वंदे मातरम' के कथित अपमान पर गरजी भाजपा, गाजियाबाद में निकाला मशाल जुलूस

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। 'वंदे मातरम' के कथित अपमान के विरोध में भाजपा महानगर इकाई ने रविवार को महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में मशाल जुलूस एवं विरोध मार्च निकाला। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और नागरिक इसमें शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया। विरोध मार्च के बाद मयंक गोयल ने कहा कि कांग्रेस ने 'वंदे मातरम' का कथित अपमान कर अपनी मानसिकता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि देश स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ मना रहा है और ऐसे समय में राष्ट्रीय भावना से जुड़े विषय पर इस तरह का विवाद दुर्भाग्यपूर्ण है। सदर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को इस मामले में देशवासियों से क्षमा मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र सम्मान से जुड़े मुद्दों पर सजग रहेगा और लोकतांत्रिक तरीके से जनभावनाओं की आवाज उठाता रहेगा। जुलूस में पूर्व महानगर अध्यक्ष विजय मोहन, सरदार एसपी सिंह, पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरोही, पवन गोयल, गौरव चोपड़ा, पंकज भारद्वाज, प्रदीप चौहान, रनीता सिंह, प्रीति चंद्र राय, राजन आर्य वाल्मीकि, सचिन डेढ़ा, संदीप चौधरी, बलराम रावल, विनोद कसाना और मीडिया प्रभारी नीरज शर्मा समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रसोई की खिड़की से दिखा सिलेंडर, नीयत बिगड़ी; ताला तोड़कर चोरी, आरोपी गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना नन्दग्राम पुलिस ने घर में चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किया गया इंडेन कंपनी का गैस सिलेंडर बरामद किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान गौरव कुमार (24) निवासी जय डेयरी के पास, घूकना के रूप में हुई है।

पुलिस ने 16 अगस्त को संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने एक घर की छत के रोशनदान से नीचे उतरकर रसोई का ताला तोड़ा और वहां रखा गैस सिलेंडर चोरी कर लिया था। आरोपी ने पुलिस को बताया कि रसोई की खिड़की से सिलेंडर दिखाई देने के बाद उसके मन में उसे चोरी करने का लालच आया।

पुलिस के मुताबिक चोरी के बाद आरोपी सिलेंडर को बेचने के लिए जा रहा था, लेकिन रास्ते में पुलिस के हत्थे चढ़ गया। बरामद सिलेंडर को कब्जे में लेकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

रबूपुरा में पुलिस-बदमाश मुठभेड़, एक बदमाश घायल, साथी गिरफ्तार

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। रबूपुरा थाना पुलिस की चेकिंग के दौरान बाइक सवार बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसके साथी को कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने दोनों के कब्जे से दो अवैध तमंचे .315 बोर, कारतूस और चोरी की यामाहा फा15 बाइक बरामद की है।

पुलिस के मुताबिक, चेकिंग के दौरान बाइक सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। एक आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बंटी उर्फ मलिंगा पैर में गोली लगने से घायल हो गया। वहीं उसका साथी बबलू कॉम्बिंग के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

जांच में बरामद यामाहा R15 बाइक के गुरुग्राम के सुशांत लोक ईस्ट थाना क्षेत्र से चोरी होने की जानकारी सामने आई है।

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी रबूपुरा थाने में दर्ज एक मुकदमे में वांछित थे। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

लोनी तहसील के बाहर बिजली विभाग के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरना शुरू

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। क्षेत्र में लगातार हो रही विद्युत कटौती और बिजली व्यवस्था की बदहाली से परेशान लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। लोनी तहसील के बाहर रविवार से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व अमित प्रजापति कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि लोनी क्षेत्र में लंबे समय से बिजली आपूर्ति व्यवस्था खराब है। आए दिन होने वाली अघोषित विद्युत कटौती के कारण आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली विभाग के अधिकारियों पर लापरवाही और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने जिम्मेदार अधिकारियों के निलंबन की मांग की है। अमित प्रजापति ने कहा कि जब तक लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मांग पूरी होने तक रात-दिन अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने बिजली विभाग से क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था में तत्काल सुधार, नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और कथित भ्रष्टाचार एवं लापरवाही की जांच कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

किसानों की मांगों पर गरजा संघर्ष मोर्चा, कलेक्ट्रेट पर बड़े आंदोलन का ऐलान

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। ग्राम इमलियाका में रविवार को किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता बाबा भुक्कड़ ने की, जबकि संचालन मा. दिनेश नागर ने किया। इस दौरान अंकुर नागर को संगठन का जिला महासचिव, गौतमबुद्ध नगर नियुक्त किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विकास प्रधान ने किसानों के लिए नया भूमि अधिग्रहण कानून लागू करने, 10 प्रतिशत विकसित भूखंड देने और बैकलीज की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराने की मांग उठाई। राष्ट्रीय संरक्षक विनय तालान ने अधिग्रहित भूमि वाले किसानों को आईडी के आधार पर टोल टैक्स में छूट देने की मांग की। राष्ट्रीय प्रवक्ता बृजेश भाटी ने किसानों के बच्चों के लिए जिले की कंपनियों में रोजगार कोटा निर्धारित करने की मांग रखी। वहीं, लोकेश भाटी और राजकुमार रूपवास ने शिक्षा में प्रवेश व कम फीस का कोटा तथा चिकित्सा संस्थानों में 50 प्रतिशत छूट की मांग की। संगठन ने मांगों को लेकर जल्द कलेक्ट्रेट पर बड़े आंदोलन का ऐलान किया।

टप्पेबाजी करने वाला वांछित आरोपी गिरफ्तार, कान का कुंडल बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना लिंक रोड पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक शातिर वांछित टप्पेबाज को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से टप्पेबाजी की घटना से संबंधित पीली धातु का एक कान का कुंडल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 4 जुलाई 2026 को झंडापुर मेन मार्केट निवासी विनीता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह दवाई लेने के लिए घर से निकली थीं। रास्ते में 2-3 अज्ञात युवकों ने उन्हें बातों में उलझाकर धोखे से उनके कान के कुंडल उतरवा लिए और फरार हो गए। शिकायत के आधार पर थाना लिंक रोड में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से जांच आगे बढ़ाई। 11 जुलाई को पुलिस ने आरोपी पाले खान को एक कुंडल के साथ गिरफ्तार किया था। विवेचना में दो अन्य आरोपी वांछित पाए गए। इसी क्रम में 15 अगस्त को मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने वांछित आरोपी सहताब को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से घटना से संबंधित पीली धातु का एक कान का कुंडल बरामद हुआ। पुलिस आरोपी के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

पतंग की डोर बनी मौत की वजह, एक्सप्रेसवे पर युवक की जान गई

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर शनिवार दोपहर कथित तौर पर मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना पर खोड़ा और कौशांबी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

बहरामपुर, नोएडा निवासी रवि अपने दोस्त नरेश के साथ बाइक से दिल्ली-गाजीपुर की ओर जा रहा था। दोपहर करीब दो बजे उनकी बाइक यूपी गेट से पहले पुल पर पहुंची। इसी दौरान रवि कथित रूप से मांझे या धागे की चपेट में आ गया, जिससे उसका गला कट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

नरेश ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। घायल रवि को उपचार के लिए मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सूचना पर कौशांबी पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। हादसे ने प्रतिबंधित मांझे के इस्तेमाल से सड़क और एक्सप्रेसवे पर राहगीरों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

थाना लिंक रोड पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस पर बांटी खुशियां: कमिश्नर के आदेश पर चौकी प्रभारी ने बांटे जरूरतमंदों को फल और मिष्ठान

सुमित सोरेन

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के थाना लिंक रोड पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गरीब और जरूरतमंद परिवारों के बीच फल और मिष्ठान वितरित कर सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। यह पहल पुलिस आयुक्त (कमिश्नर) जे. रविंदर गौड़ के आदेश पर थाना प्रभारी रविन्द्र चंद्र पंत के नेतृत्व में की गई।

पुलिस टीम ने क्षेत्र के कई जरूरतमंद परिवारों से मुलाकात की और उन्हें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मिठाई बांटी। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने परिवारों और बच्चों से आत्मीयता से बातचीत की, जिससे बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी।

थाना लिंक रोड प्रभारी रविंद्र चंद्र पंत ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हम सभी के लिए गर्व का पर्व है। पुलिस का कर्तव्य केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के प्रति मानवीय संवेदनाएं रखना भी है। उन्होंने जोर दिया कि पुलिस जनता की सुरक्षा, सेवा और सहयोग के लिए हमेशा तैयार है।

हापुड़ चुंगी से गूंजी देशभक्ति की हुंकार, तिरंगा पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हापुड़ चुंगी चौराहे से राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत भव्य तिरंगा पदयात्रा निकाली गई। प्राइवेट चिकित्सक वेलफेयर एसोसिएशन एवं विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता, पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लिए लोगों ने भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद के नारों से पूरे क्षेत्र को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा का संकल्प लिया। इसके बाद तिरंगे हाथों में लेकर पदयात्रा शुरू हुई। पदयात्रा में शामिल लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

संस्थाओं के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को याद करने का दिन है। आजादी असंख्य वीरों के त्याग और बलिदान से मिली है। सभी नागरिकों का दायित्व है कि देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने के साथ समाज में भाईचारा, सद्भाव और प्रेम की भावना को बढ़ावा दें। प्राइवेट चिकित्सक वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. एके जैन ने कहा कि चिकित्सक समाज का महत्वपूर्ण अंग हैं और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं को भी युवाओं में राष्ट्रभक्ति, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए आगे आना चाहिए। तिरंगा पदयात्रा के दौरान भारत माता और स्वतंत्रता सेनानियों के जयकारे लगाए गए। लोगों ने देश की प्रगति, समृद्धि और शांति के लिए मंगलकामना की। आयोजकों ने कहा कि नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली इतिहास से जोड़ने और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने के लिए ऐसे आयोजन